तापमान
अधिकतम 30 डिग्री
न्यूनतम 25 डिग्री

हरिभूमि
इस्पात भूमि
रायपुर, गुरुवार, 25 सितंबर 2025

15 बोनस पर प्रबंधन की मनमानी के खिलाफ सीटू ने किया प्रदर्शन

भिलाई | दुर्ग | भिलाई-3 | कुम्हारी | जामुल | उतई | पाटन | अहिवारा | मुरमुंदा | धमधा | अण्डा | जामगांव - आर

पार्किंग शुल्क वसूला तो खैर नहीं, प्रशासन लगाएगा जुर्माना, कराएंगे मामला दर्ज

आदेश दरकिनार... टाउनशिप के दुर्गा पंडालों का हो रहा कमर्शियल उपयोग, मेले-ठेले लगाने के साथ वसूला जा रहा है पार्किंग शुल्क

हरिभूमि न्यूज ⏭भिलाई

कुछ साल पूर्व तक शहर में दुर्गोत्सव के सादगीपूर्ण आयोजन अब व्यवसाय में तब्दील होते जा रहे हैं। पूजा पंडालों में परिवार के साथ आने वाले श्रद्धालुओं को देवी दर्शन के लिए महंगी कीमत चुकानी पड़ रही है। टाउनशिप और पटरीपार क्षेत्र में जगह जगह आयोजन समितियां पंडालों में झांकियों, दुकानों के स्टांल और मीनाबाजार आदि आयोजित कर इनके लिए टिकट ले रही हैं। बिना अनुमति कर्मशियल उपयोग से शासन और बीएसपी को जहां लाखों का चूना लगा रहे हैं, वहीं अव्यस्थित पंडालों से दुर्घटना का अंदेशा भी बना हुआ है। मामले में प्रशासन की गाइड लाइन कागजी साबित हो रही है। इतना ही नहीं दो दिन पहले बीएसपी प्रबंधन ने स्पष्ट किया था कि किसी भी जगह पर कमर्शियल उपयोग की अनुमति नहीं है। बावजूद इसके धड़ल्ले से दुर्गा पंडालों में मेले-ठेले लग रहे हैं, पार्किंग शुल्क वसूला जा रहा है। इतना ही नहीं झांकियों और माता दर्शन के नाम पर मोटी रकम तक वसूली जा रही है। वीआईपी, वीवीआईपी और सामान्य दर्शन के नाम पर शुल्क चार्ज किया जा रहा है। तेज आवाज के लाउडस्पीकर, डीजे देर रात तक बज रहे हैं। प्रशासनिक तंत्र इन समितियों के सामने नतमस्तक है।

शहर में इन दिनों दुर्गोत्सव की धूम है। टाउनशिप और पटरीपार के निगम क्षेत्र के कई स्थलों में पंडालों में मां दुर्गा की प्रतिमा विराजने के साथ धार्मिक आयोजनों को आकर्षक रुप देकर व्यवसाय का रुप दे दिया गया है। खुर्सीपार, पावरहाउस, टाउनशिप में सेक्टर 4, सेक्टर 10 सेक्टर 2 आदि में दुर्गोत्सव के आयोजन के लिए आयोजन समितियों ने जिला प्रशासन व बीएसपी तथा निगम से धार्मिक आयोजन की ही अनुमति ली है। लेकिन स्थलों का व्यावसायिक उपयोग कर लाखों पीट रहे हैं। बताते हैं कि पंडालों में प्रतिमा स्थापना के साथ भव्य व आकर्षक झांकी के साथ खाने पीने व लग्झेरियस सामानों के स्टांल व दुकानें लगाई गई हैं। दुकान लगाने के लिए व्यवसायियों से हजारों रुपए लिए गए हैं। वहीं कुछ स्थानों पर मीना बाजार भी लगाया गया है। इसके लिए भी मीना बाजार ठेकेदार से बड़ी रकम ली गए हैं।

झूलों के शुल्क 30 से 50 रुपए प्रति झूला लोगों से वसूल रहे हैं। टाउनशिप में बीएसपी प्रबंधन की धार्मिक के बजाए कर्मशियल उपयोग नहीं करने की चेतावनी दी गई है लेकिन कई समितियों इसकी खुलेआम धज्जियां उड़ रहा हैं। प्रबंधन ने चेतावनी जारी कर अपने कर्तव्य की इतिश्री कर ली है। वहीं ननि व जिला प्रशासन भी जानकर बेखबर बना हुआ है। जबकि गाइड लाइन में आयोजकों को सिर्फ धार्मिक आयोजन की अनुमित देने के साथ सड़क पर ट्रैफिक जाम नहीं करने वे अवैध बिजली कनेक्शन नहीं लेने जैसे दिशा निर्देश जारी किए गए हैं।

वाहन स्टैंड में भारी वसूली

पटरीपार व सेक्टरी इलाके में दुर्गा पंडालों में आयोजक वाहन स्टैंड के नाम पर भारी वसूली कर रहे हैं। दोपहिया वाहनों के दस से बीस रुपए व चारपहिया गाड़ियों के तीस से पचास रुपए वसूल रहे हैं। पंडालों में दर्शन के लिए आए लोगों ने बताया कि स्टैंड में दबंग लड़कों को रखा गया है जो सड़क किनारे गाड़ियां खड़ी करने पर भी जबरिया पर्ची लगाकर पैसे वसूल रहे हैं। वहीं टाउनशिप में कई पंडालों में कड़िया फंसाकर बिजली चोरी की जा रही है, बीएसपी को आर्थिक चपत लग रही है। वहीं बेतरतीब तारों व पंडालों से दुर्घटना का आशंका भी बनी हुई है। इस मामले में भी प्रबंधन व जिला प्रशासन उदासीन बना हुआ है।

सजावट पंडालों को बेच रहे

पिछले दो तीन साल से गणेशोत्सव और दुर्गोत्सव पंडालों को बेचने का नया ट्रेड विकसित हो चला है। कुछ आयोजक दुर्गोत्सव के तीस चालीस लाख में आकर्षक पंडाल बनाकर इससे अधिक रेट पर दूसरी समितियों को बेच दे रहे हैं। बताते हैं पंडालो में मय मीना बाजार व स्टालों के रेट और बिना दुकानों के रेट वाले पंडाल शामिल हैं। क्षेत्रवासियों ने बताया कि कुछ आयोजन समितियां इस तरह के आयोजनों के जरिए हर साल लाखों की चांदी काट रहे हैं। आयोजकों में राजनीतिक दलों के लोग सीधे शामिल हैं या संरक्षण मिला हुआ है।

कर्मशियल उपयोग न करें

टाउनशिप में धार्मिक आयोजनों के लिए जमीन का आवंटन एसडीएम की अनुमति मिलने के बाद भी दिए जाने का प्रावधान है। आयोजकों के स्पष्ट किया गया गया है कि जगह कर्मशियल उपयोग न किया जाए। व्यासायिक उपयोग किए जाने पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।
- बीएसपी जनसंपर्क विभाग

कर्मशियल उपयोग तो बीएसपी करेगी कार्रवाई

जगह का यदि कमर्शियल उपयोग हो रहा है, तो बीएसपी इस मामले में कार्रवाई करेगी। यदि पार्किंग शुल्क वसूला जा रहा है। सड़क पर वाहन खड़े कराए जा रहे है, तो प्रशासन जुर्माना वसूलेगी और आपराधिक मामला दर्ज करेगी। दुर्गा पंडालों का जल्द ही निरीक्षण किया जाएगा।
- हितेश पिस्दा, एसडीएम भिलाई नगर

म्यूल एकांउट का उपयोग कर साइबर ठगी करने वाले पकड़े गए

हरिभूमि न्यूज ⏭भिलाई

म्यूल खाते का उपयोग कर उसमें ठगी की रकम मिलने के मामले में पुलिस ने युवक को गिरफ्तार किया है। एएसपी सुखनंदन राठौर ने बताया कि गृह मंत्रालय द्वारा संचालित समन्वय पोर्टल के माध्यम से म्यूल एकाउंट के नंबर की जानकारी मिली। एसीसीयू और सुपेला पुलिस की टीम ने बैंक ऑफ इंडिया शाखा सुपेला के बैक खाता मकान नंबर 124 संजय नगर सुपेला निवासी धारक तुषार ने अपना खाता खुलवाया। उक्त खाता को ऑनलाईन ठगी की रकम प्राप्त कर ली। खाते में 16 सितंबर 2024 से 14 मार्च 2025 के मध्य अवैध रूप से धन अर्जित किया।जिसमें 4 लाख 99 हजार 393 रुपए ऑनलाइन ठगी किया। इसी तरह म्यूल एकाउंट का उपयोग बैक खाता धारक शंकर पारा सुपेला निवासी शक्ति महानंद ने बैंक ऑफ इंडिया शाखा सुपेला में खाता खुलवाकर ऑनलाईन ठगी की रकम प्राप्त किया। आरोपी ने खाता में 20 दिसंबर 2024 से 3जनवरी 2025 के मध्य अवैध रूप से धन अर्जित कर 38 हजार 937 रुपए की छल करते हुये खाता में सायबर ऑनलाइन ठगी की रकम आई।

पाठक सूचना
हरिभूमि के सुधि पाठकों को
अखबार की प्रतियां नहीं मिल रही हो या
अन्य अखबार दिया जा रहा हो तो हमें निम्न
नंबर पर संपर्क करें या वाट्सअप करें- दुर्ग, भिलाई
9300663610, 7489348301

अग्रसेन
प्रा. आई.टी.आई
BHILAI | DHANORA
• ELECTRICIAN 2 Year (10th Pass)
• FITTER 2 Year (10th Pass)
• C.O.P.A. (Computer) 1 Year (10th Pass)
Affiliated By : N.C.V.T & D.G.E.T. New Delhi (Govt. of India)
भारतीय सेना में कार्यरत/ भूतपूर्व सैनिकों के परिवार एवं दिव्यांग छात्र-छात्राओं के लिए संपूर्ण फीस में 25 % की छूट
REGISTRATION OPEN
कुरुद रोड कोहका, भिलाई, जिला - दुर्ग (छ.ग.)
89595-93949 • 89595-44444
अग्रसेन एजुकेशन कैम्पस, ग्राम-धनोरा, जिला - दुर्ग (छ.ग.)
89595-93934 • 89595-44444

लीला देवी कॉलेज ऑफ
नर्सिंग एण्ड फार्मेसी
• बी एससी नर्सिंग* • डी फार्मेसी*
प्रस्तावित सत्र 2025-26 हेतु

विश्व स्तरीय बुनियादी ढांचा
सर्वोत्तम खेल परिसर एवं सुविधाएं
छात्रावास एवं परिवहन सुविधा
अत्यधिक सुसज्जित प्रयोगशालाएं
5000 पुस्तकों से युक्त समृद्ध पुस्तकालय
हरा और हाईटेक परिसर
योग्य एवं अनुभवी सकाय
108 बिस्तरों वाला पेरेंट हॉस्पिटल
मुख्य परिसर
लीलास नॉलेज पार्क, ब्लॉक - ए, बी, सी, ग्रेटर रायपुर, मोतीपुर, तह.-पाटन, जिला-दुर्ग
सिटी परिसर
लीलास फाउंडेशन फॉर एजुकेशन एंड हेल्थ, मुखर्जी हॉस्टल के पीछे संस्थागत क्षेत्र, गवर्नमेंट साइंस कॉलेज, रायपुर
91318 80895, 97706 60186, 70241 25200

नवरात्रि
नवोत्सव
ऑफर
22 सितम्बर से 2 अक्टूबर
1/2 ग्राम गोल्ड मुफ्त* प्रति 10 ग्राम हॉलमार्क गोल्ड ज्वेलरी की खरीदी पर
100% एक्सचेंज* पुरानी गोल्ड ज्वेलरी पर
1/2 ग्राम गोल्ड मुफ्त* ₹50000/- की डॉयमंड ज्वेलरी की खरीदी पर
जेवर®
हर उत्सव के लिए
गंज पारा – दुर्ग
स्टेट बैंक मुख्य शाखा के पास
संपर्क : 0788-2214999 I 9522914999
SCAN LOCATION
Sunday Open
Deepak Advertisers

खबर संक्षेप

दुर्ग। सार्वजनिक दुर्गा उत्सव समिति ग्राम कोटनी में स्थापित मां दुर्गा प्रतिमा।

ईडी ट्राफी कार्य कौशल प्रतियोगिता, मिला पुरस्कार

भिलाई। बीएसपी के ज्ञानार्जन एवं विकास विभाग के एचआरडी केन्द्र में कार्यपालक निदेशक ट्राफी कार्य कौशल स्पर्धा का आयोजन किया गया। स्पर्धाओं में विभिन्न विभागों से 251 प्रतिभागियों ने 11 विभिन्न ट्रेडों से हिस्सा लिया। ईडी राकेश कुमार ने मानव संसाधन विकास केंद्र स्थित कार्यशालाओं का अवलोकन किया। उन्होंने प्रतिभागियों से संवाद कर उनका उत्साहवर्धन किया। स्पर्धा में प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को नकद पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे।

विस अध्यक्ष डॉ.रमन सिंह पहुंचे माता दर्शन को, महाप्रसाद का किया वितरण

हरिभूमि न्यूज ⏭ दुर्ग

नवरात्र महोत्सव के पावन अवसर पर सार्वजनिक दुर्गा समिति खुर्सीपार द्वारा इस वर्ष भी प्रदेश का

- डोंगरगढ़ जाने वाले भक्तों को बांटा प्रसाद

सबसे बड़ा सेवा पंडाल भव्य रूप से सजाया गया है। जहां मां शेरावाली की भव्य प्रतिमा भी स्थापित की गई है। बुधवार को माता रानी के दर्शन करने और आशीर्वाद प्राप्त करने के लिए विधानसभा अध्यक्ष अध्यक्ष डॉ.रमन सिंह पहुंचे। उन्होंने माता का दर्शन कर शाम की आरती में शामिल हुए। इसके बाद पैदल यात्रा करते हुए मां बम्लेश्वरी के दर्शन करने जाने वाले भक्तों को महाप्रसाद का वितरण सेवा भी की और दया सिंह को शाबाशी दी।

यह आयोजन 22 सितम्बर से 02 अक्टूबर तक चलेगा। नगर निगम भिलाई के उप नेता प्रतिपक्ष और बोल बम सेवा समिति के संस्थापक माननीय दया सिंह की पहल पर हर वर्ष की तरह इस बार भी श्रद्धालुओं और पदयात्रियों के लिए विशेष सेवा व्यवस्था की गई है। सेवा पंडाल में आने वाले भक्तों के लिए निशुल्क जलपान, भोजन, प्राथमिक चिकित्सा, गर्म पानी और मोबाइल चार्जिंग जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। समिति का कहना है कि यह पंडाल केवल सेवा का केंद्र नहीं बल्कि भक्ति और सांस्कृतिक माहौल का संगम बनेगा।

त्योहार में हर गली-मोहल्ला रोशनी से चमकेगा : मेयर

दुर्ग। नगर पालिक निगम सीमा क्षेत्र अंतर्गत त्योहारी सीजन को ध्यान में रखते हुए आज डाटा सेंटर में एक बैठक आयोजित की गई। बैठक में महापौर अलका बाघमार, आयुक्त सुमित अग्रवाल एवं विद्युत विभाग प्रभारी ज्ञानेश्वर ताम्रकर मौजूद रहे। त्यौहारों के दौरान शहर को रोशन और सुरक्षित बनाने के उद्देश्य से निगम अधिकारियों ने चर्चा की और कई अहम निर्णय लिए। मुख्य रूप से चौक-चौराहों, गली-मोहल्लों और प्रमुख बाज़ार क्षेत्रों की विद्युत व्यवस्था को मजबूत बनाने पर जोर दिया गया। साथ ही नई लाइटों की खरीद, पुराने पोलों की मरम्मत और पर्याप्त वाहनों की उपलब्धता सुनिश्चित करने कहा।

जीएसटी में हुए नए रिफॉर्म का बाजार में दिखेगा असर : ललित

भिलाई। ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर ने दुर्ग विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम नगपुरा में जीएसटी दरों में कमी को लेकर बाजार में भ्रमण कर दुकानदारों का स्वागत अभिनंदन किया। जीएसटी कमी पर संवाद किया गया।

इस अवसर पर दुकानदारों को जीएसटी दर निर्धारण संबंधी पोस्टर अपनी दुकानों पर प्रदर्शित करने का आग्रह किया गया, ताकि उपभोक्ताओं को वस्तुओं के मूल्य और कर दरों की स्पष्ट जानकारी मिल सके। विधायक ललित चंद्राकर ने कहा कि जीएसटी दरों में कमी से व्यापारियों और उपभोक्ताओं दोनों को लाभ मिलेगा और यह कदम स्थानीय बाजार की आर्थिक गतिविधियों को और बढ़ावा देगा। उन्होंने स्वदेशी अपनाओ बोर्ड लगाने का भी आग्रह किया। इस अवसर पर दुर्ग जनपद अध्यक्ष

कुलेश्वरी देवांगन, जिला पंचायत सदस्य सुश्री प्रिया साहू, अंजोरा मंडल अध्यक्ष हेमंत सिन्हा, महामंत्री यामीनि हरमुख, सरपंच संघ अध्यक्ष ओमेश्वर, राजू यादव, संजय देशमुख, ढ़ावेन्द्र यादव, दिव्या साहू, सुखदेव देवांगन, कल्याणी साहू, पवन महतेल, छत्रपाल साहू, संतोष साहू सहित बड़ी संख्या में भारतीय जनता पार्टी के ज्येष्ठ श्रेष्ठ कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

उपभोक्ता का लाभ व्यापारी का गर्व अभियान : पदाधिकारी जीएसटी अधिकारी से मिले

भिलाई। उपभोक्ता का लाभ व्यापारी का गर्व अभियान प्रारंभ किया गया। अभियान की जानकारी जीएसटी अधिकारियो के समक्ष प्रस्तुत करने प्रदेश महामंत्री अजय भसीन अपनी टीम के साथ अधिकारियो से मिले। उन्होंने अभियान की जानकारी देते हुए बताया की चेम्बर ऑफ कॉमर्स बाजारों में जाकर उपभोक्ता को पूरा लाभ दिलाने के लिए कृत संकल्पित है। हम दुकान दुकान जाकर स्टिकर लगाकर जनता को जागरूक कर रहे है। जीएसटी जॉइंट कमिश्नर अमित चौधरी से मुलाकात कर अभियान की जानकारी दी। अमित चौधरी ने चेम्बर के सक्रिय

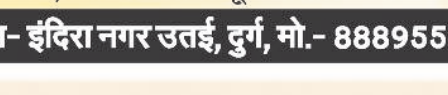

अभियान की प्रशंसा की। अजय भसीन के साथ चैयरमेन दिनकर बसोतिया, संतोष गेहानी, दिलीप केसरवानी, अनिल अग्रवाल, मनोहर कृष्णानी व अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे। यह जानकारी शंकर सचदेव ने दी।

संभाग स्तरीय काव्य-पाठ स्पर्धा 26 सितंबर को

दुर्ग। छत्तीसगढ़ राज्य गठन के 25 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर रजत जयंती 2025-26 के उपलक्ष्य में संभाग स्तरीय काव्य-पाठ प्रतियोगिता का आयोजन 26 सितम्बर को पूर्वान्ह 10 बजे, विवेकानंद सभागार पद्मनाभपुर, उतई रोड दुर्ग में किया जा रहा है।

नवरात्रि के चौथे दिन की देवी

नवरात्रि का हर दिन देवी दुर्गा के एक विशेष रूप की उपासना के लिए समर्पित है। चौथे दिन की अधिष्ठात्री देवी माँ कूष्मांडा हैं। इन्हें सृष्टि की जननी और ऊर्जा की आदि स्वरूपा माना जाता है। मान्यता है कि जब सम्पूर्ण ब्रह्मांड अंधकार से ढका हुआ था, तब माँ कूष्मांडा ने अपनी दिव्य मुस्कान और ऊर्जा से इस ब्रह्मांड की रचना की। इसलिए इन्हें कूष्मांडा नाम से जाना जाता है – जिसका अर्थ है थोड़ी सी उष्मा से उत्पन्न ब्रह्मांड।

माँ कूष्मांडा

माँ कूष्मांडा का स्वरूप:-

माँ कूष्मांडा को अष्टभुजा देवी भी कहा जाता है। इनके आठ हाथों में धनुष, बाण, कमल, अमृतकलश, कमंडल, गदा, चक्र और जपमाला सुशोभित हैं। माँ सिंह पर आरूढ़ रहती हैं, जो शक्ति और पराक्रम का प्रतीक है। उनका तेज सूर्य मण्डल जैसा प्रखर है, इसी कारण इन्हें सूर्य लोक की अधिष्ठात्री देवी माना गया है।

पौराणिक मान्यता है कि जब संसार में न अंधकार के अतिरिक्त कुछ था और न ही किसी प्रकार का जीवन, तब माँ कूष्मांडा ने अपनी सूक्ष्म मुस्कान से प्रकाश और ऊर्जा का संचार किया। उनके तेज से सूर्य का उदय हुआ और ब्रह्मांड की रचना आरंभ हुई। इसी कारण उन्हें सृष्टि की रचयिता और जीवन की जननी कहा जाता है।

नवरात्रि के चौथे दिन माँ कूष्मांडा की पूजा विधि-विधान से करने पर साधक को विशेष लाभ प्राप्त होता है।

प्रातः स्नान कर स्वच्छ वस्त्र धारण करें। माँ की प्रतिमा या चित्र के समक्ष दीपक, धूप और लाल पुष्प अर्पित करें। नारियल, लौंग और मालपुए का भोग विशेष प्रिय है।

ॐ ऐं ह्रीं क्लीं कूष्माण्डायै नमः मंत्र का जप करें।

माँ कूष्मांडा की कृपा के फल

साधक के जीवन से भय और रोग दूर होते हैं। स्वास्थ्य, आत्मबल और तेज की वृद्धि होती है। धन, यश और वैभव की प्राप्ति होती है। गृहस्थ जीवन में शांति और सौभाग्य का वास होता है। माँ कूष्मांडा केवल एक देवी नहीं, बल्कि सम्पूर्ण ब्रह्मांड की ऊर्जा का स्रोत हैं। उनकी पूजा से साधक को सुख, शांति, समृद्धि और दीर्घायु का आशीर्वाद प्राप्त होता है। नवरात्रि के चौथे दिन की यह आराधना साधक के जीवन को प्रकाश और सकारात्मक ऊर्जा से भर देती है।

खबर संक्षेप

धमधा सहकारी समिति की वार्षिक आमसभा आज

धमधा। धमधा विपणन सहकारी समिति मर्या., पंजीयन क्रमांक 51 की वार्षिक साधारण आमसभा 25 सितम्बर गुरुवार को समिति कार्यालय में दोपहर 1 बजे से रखी गई है। इस दौरान वर्ष 2024-25 का वार्षिक वित्तीय पत्रक प्रस्तुत कर अनुमोदन, वर्ष 2026-27 के बजट का अनुमोदन, तथा वर्ष 2025-26 के अंकेक्षण हेतु संसाधन के चयन जैसे विषय प्रमुख रहेंगे। प्रबंधक गजानंद साहू ने जानकारी देते हुए सभी सदस्यों से अपील की है कि वे समय पर उपस्थित होकर आमसभा को सफल बनाएं।

लोकार्पण एवं दाऊ उत्तम साव पुण्य तिथि संस्मरण 28 को

अंडा। तहसील साहू संघ दुर्ग ग्रामीण के कार्यालय भवन में श्रीकृष्ण माता कर्मा मूर्ति का प्राणप्रतिष्ठा व कमला सदन का लोकार्पण एवं दाऊ उत्तम साव पुण्य तिथि संस्मरण का आयोजन 28 सितंबर रविवार को रखा गया है। कार्यक्रम सुबह 09:30 बजे से कलश यात्रा,10:30 बजे प्राणप्रतिष्ठा प्रारंभ,अतिथियों का आगमन दोपहर 1 बजे स्थान-तहसील साहू संघ कोनारी में सम्पन्न होगा। मुख्यअतिथि पूर्व गृह मंत्री एवं पूर्व अध्यक्ष प्रदेश साहू संघ, ताम्रध्वज साहू, अध्यक्षता.अध्यक्ष प्रदेश साहू संघ डॉ. नीरेन्द्र साहू,विशिष्ठ अतिथि अध्यक्ष जिला साहू संघ दुर्ग, नंदलाल साहू,पूर्व मंत्री म.प्र. शासन पूर्व अध्यक्ष साहू संघ म.प्र. जागेश्वर साहू,पूर्व केबिनेट मंत्री शासन रमशीला साहू,पूर्व विधायक गुण्डरदेही डॉ. दयाराम साहू,अध्यक्ष तेलघानी बोर्ड शासन जितेन्द्र साहू,पूर्व अध्यक्ष हस्तशिल्प बोर्ड दीपकताराचंद साहू, पूर्व अध्यक्ष जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्या. राजेन्द्र साहू,विशेष अतिथि सभापति जिला पंचायत दुर्ग श्रद्धा साहू,सभापति जिला पंचायत दुर्ग प्रिया साहू,सरपंच ग्राम पंचायत कोनारी गुंजेश्वरी पारख जौहरी होंगे।

निधन

रोशम्मा जोसफ

भिलाई। ए-67 सूर्या रेसीडेंसी जुनवानी रोड भिलाई निवासी रोशम्मा जोसफ 84 वर्ष का निधन 22 सितंबर को हो गया। उनका अंतिम संस्कार 25 सितम्बर क्रिश्चियन कब्रिस्तान नेहरू नगर भिलाई में किया जाएगा। वे एमजी जोसफ की पत्नी और बिजू, साजु एवं सुजा की मां थीं। वे अपने पीछे भरापूरा परिवार छोड़ गए हैं।

खोरबाहरा राम मनहर

सेलूद। ग्राम चीचा निवासी सेवानिवृत्त शिक्षक खोरबाहरा राम मनहर का निधन गया। उनका अंतिम संस्कार स्थानीय मुक्तिधाम में किया गया। वे युवा कांग्रेस नेता श्यामाचरण मनहर के पिता थे। निधन पर जिला कांग्रेस कमेटी दुर्ग ग्रामीण जिलाध्यक्ष राकेश ठाकुर सहित अन्य ने शोक व्यक्त किया है।

उमा अरोरा

भिलाई। गुरूद्वारा के पास खुर्सीपार भिलाई निवासी उमा अरोरा 60 वर्ष का बुधवार को निधन हो गया। उनकी अंतिम यात्रा 25 सितंबर को सुबह 11 बजे उनके निवास से रामनगर मुक्तिधाम के लिए निकलेगी। वे शिव लाल अरोरा की पत्नी एवं अमित अरोरा की मां थीं। वे अपने पीछे भरापूरा परिवार छोड़ गए हैं।

सियाराम सेन

कुम्हारी। शान्ति नगर निवासी सियाराम सेन 84 वर्ष का बुधवार को आकस्मिक निधन हो गया उनका अंतिम संस्कार मुक्तिधाम में संम्पन्न हुआ। वे व्यवसायी किशोर सेन, सुरेश सेन एवं राजकुमार सेन के पिता थे। वे अपने पीछे भरापूरा परिवार छोड़ गए हैं।

सेल की सभी इकाइयों में हुआ आंदोलन

बोनस पर प्रबंधन की मनमानी के खिलाफ सीटू ने किया प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिलाई

लगातार दूसरे साल सेल प्रबंधन द्वारा बीएसपी कर्मचारियों को एकतरफा निर्णय लेते हुए अल्प बोनस दिए जाने से कर्मियों आक्रोश बढ़ रहा है। आज बुधवार को सीटू यूनियन ने बीएसपी के मेन गेट के निकट मुर्गा चौक पर विरोध प्रदर्शन किया। यूनियन के बैनल तले बारिश में भीगते हुए यूनियन नेताओं व कर्मियों ने सेल प्रबंधन के खिलाफ नारेबाजी की और सम्मानजनक बोनस के लिए पुराने बोनस फार्मूला को बदलने की मांग की। सीटू नेताओं ने कहा कि एनजेसीएस बोनस मीटिंग में प्रबंधन ने फार्मूले का हवाला देते हुए 29500 रूपए का प्रस्ताव रखा जिसे यूनियनों ने खारिज करते हुए कह दिया कि पहले फॉर्मूले खारिज करें व 40500 पर बात कीजिए । प्रबंधन फार्मूला ख़ारिज करने की बात को मान गया था और अंत में 31000 का प्रस्ताव रखा । फार्मूला ख़ारिज करने की बात को अपने प्रस्ताव से हटा दिया। यूनियनों के तरफ से 32500 का फार्मूला ख़ारिज करने की बात को अपने प्रस्ताव में रखा गया । प्रबंधन 32500 के लिए राजी नहीं हुआ और बिना निष्कर्ष में पहुंचे ही बैठक को एकतरफा समाप्त कर दिया। ऐसे में प्रबंधन के द्वारा कर्मियों के खाते में 29500 रुपए डालने के मनमानी के खिलाफ सेल के सभी इकाइयों में सीटू द्वारा प्रदर्शन कर प्रबंधन को पत्र दिया गया।

बोनस फार्मूला बदलने की मांग

क्या प्रबंधन के पास नहीं 6 करोड़

प्रबंधन द्वारा दिए गए 31000 के प्रस्ताव पर सीटू ने कहा कि जब सभी यूनियन संयुक्त रूप से 32500 की मांग कर रहे है तो प्रबंधन को 32500 पर सहमत होने में क्या समस्या है। इस पर प्रबंधन ने कह दिया कि प्रबंधन के पास पैसे की कमी है इसीलिए प्रबंधन डेढ़ हजार रुपए नहीं बढ़ा सकता है । प्रबंधन के तर्क पर सीटू ने कहा कि यदि अभी डेढ़ हजार रुपए देने की स्थिति नहीं है तो आप 31000 रुपए दे दीजिए बाकी डेढ़ हजार रुपए इस वित्त वर्ष में जब भी प्रबंधन के पास कैश आ जाएगा कर्मचारियों के खाते में डाल दें। इस पर प्रबंधन ने बैठक समाप्ति की घोषणा कर चलते बना। प्रबंधन के पास कर्मियों को देने के लिए 6 करोड रुपए भी नहीं है जबकि वही कर्मी हर दिन कम से कम 10 करोड़ रुपए प्रतिदिन के दर से मुनाफा कमा कर प्रबंधन को दे रहा है।

अपने ही वादे से मुकरे सेल के अधिकारी

प्रबंधन मुख्य श्रम आयुक्त केंद्रीय के सामने यह वादा किया था कि 2025 के बोनस के पहले पिछले बोनस फार्मूले को खारिज करेंगे किंतु दुर्गा पूजा से दो दिन पहले बैठक बुलाकर प्रबंधन ने अपनी मंशा को सबके सामने स्पष्ट कर दिया है कि मुख्य श्रम आयुक्त केंद्रीय के सामने बोनस फार्मूले को खारिज करने का जो वादा किया था वह केवल ऐसे ही कह दिया था, इसीलिए बोनस बैठक के दिन भी प्रबंधन बोनस फार्मूला को खारिज करने की बात कह कर अपने ही वादे से फिर से मुकर गया।

प्रबंधन भाग खड़ा हुआ बोनस समझौता से

प्रबंधन वादाखिलाफी कर बोनस समझौता बैठक से उठकर चला गया। यूनियन नेताओं ने बताया कि 31000 के प्रस्ताव में बोनस फार्मूले पर सुधार करने, खारिज करने अथवा विचार करने संबंधी बातों को हटा लिया गया । इस पर सीटू ने आपत्ति करते हुए कहा कि जिन बातों पर बैठक के शुरू में ही सहमति बन चुकी है उन बातों को समझौता पत्र से हटाना गलत है उन बातों को शामिल किया जाए। प्रबंधन गोलमोल जवाब देते हुए बैठक को ही समाप्त कर दिया।

संघर्षो को तेज करेगा सीटू

सीटू नेताओं ने कहा कि पिछले दो बोनस बैठकों में भी इसी तरह की मनमानी कर चुका है । बैठक में राशि तय नहीं होने देता है एवं अपनी मर्जी से बैठक के बाद कर्मियों के खाते में कुछ रकम डाल देता है । इसके खिलाफ यूनियन संघर्ष को तेज करेगा। वर्कर्स फेडरेशन ऑफ़ इंडिया से लेकर संयंत्र के स्तर की यूनियन तक चरणबद्ध तरीके से किए जाने वाले आंदोलन की रूपरेखा तैयार की जा रही है जो विभिन्न संयंत्र में दिखना शुरू हो जाएगा।

जामुल पालिका क्षेत्र में मनी स्वच्छता ही सेवा रजत जयंती

भिलाई। नगर पालिका परिषद जामुल में 17 से 2 अक्टूबर तक स्वच्छता ही सेवा रजत जयंती मनाई जा रही है। इस दौरान नपा कार्यालय जामुल में अधिकारी कर्मचारी स्वच्छता मित्र, स्वच्छता दीदीयों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया । सीएमओ सीमा बक्शी ने बताया कि ''स्वच्छता ही सेवा'' अंतर्गत हमारे नगर में जागरूकता के लिए अनेकों कार्यक्रम किया जा रहे है है। नगर में जगह-जगह विराजित मां दुर्गा के पंडालों में रंगोली बनाने के माध्यम से और स्कूलों, कॉलेजों में स्वच्छता रैली, नगर को साफ रखने शपथ दिलाई जा रही है। सीएमओ बक्शी ने कहा कि इसी क्रम नगर के घरों से डोर टू डोर कचरा उठाने वाले स्वच्छता दीदीयों, स्वच्छता मित्रें का स्वास्थ्य परीक्षण भी कराया गया। नगर को साफ सुथरा रखने वाले पहले स्वस्थ रहे। उन्हे किसी प्रकार की समस्या न हो । इन्ही मित्रें के माध्यम से ही आम जनता तक संदेश जाता है। प्रत्येक नागरिक अपने घर के आसपास सफाई व्यवस्था बेहतर करे। सफाई से ही स्वच्छ एवं स्वस्थ वातावरण बनता है। सबके लिए बहुत ही जरूरी है। एमएमयु के माध्यम से पालिका के वार्डों में समय पर स्वास्थ्य परीक्षण शिविर भी लगाया जाता है। दवाईयां भी वितरण किया जाता है। स्वास्थ्य परीक्षण अवसर पर उप अभियंता सचिन भागवत, राजस्व अधिकारी हरीश साहू, हीम्मत मंडावी राजस्व उप निरीक्षक समेत अन्य लोग मौजूद थे।

■ साफ सफाई पर दिया जा रहा है ध्यान

ग्राम पंचायत ननकट्ठी में विभिन्न कार्यों का लोकार्पण, विकास को गति

हरिभूमि न्यूज ▶▶| ननकट्ठी

ननकटठी ग्राम पंचायत में विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण-भूमिपूजन विधायक राजमहंत डोमनलाल कोर्सेवाडा. ने किया। इनमें महतारी सदन हेतु 30 लाख रुपए, स्कूल से बाजार चौक तक गौरव पथ 10.40 लाख रुपए ,बाजार स्थल का सीमेंटी करण 30 लाख रुपए निर्माण करने भूमि पूजन हुआ।

उन्होंने बताया कि गांव मेंसाहू समाज भवन हेतु 10 लाख , आदिवासी समाज भवन के लिए 10 लाख रुपए का प्रस्ताव भेजा गया है , साथ ही दुर्ग धमधा मार्ग पर ननकटठी नाला में6 करोड़ 55 लाख रुपए तथा समोदा नाला में 9 करोड़ 75 लाख 59000 रु की लागत से उच्च स्तरीय पुल निर्माण की प्रशासनिक स्वीकृति मिल चुकी है। कार्यक्रम में जनपद पंचायत दुर्ग की अध्यक्ष कुलेश्वरी देवांगन और सरपंच सुशील साहू ने संबोधित किया। इस दौरान विधायक प्रतिनिधि सतीश साहू, जिला पंचायत दुर्ग सभापति जितेंद्र यादव, जनपद सदस्य प्रतिभा देवांगन ,भाजपा मंडल अध्यक्ष घनश्याम साहू,पूर्णिमा दिलीप वर्मा, सचिंद्र सिंह राजपूत सहित पंचगण सरिता निषाद, कांति ठाकुर, दुर्गेश्वरी पटेल ,भुवनेश्वरी यादव ,हेमती साहू, सरिता साहू ,नंद रानी रावत, असवंतीन शोबने, लक्ष्मी निषाद ,आशा बाई निषाद, द्रौपदी राजपूत संतराम ठाकुर ,महेश कुमार पटेल, प्रवीण कुमार साहू, खोमेंद्र कुमार निर्मल, पंचायत सचिव बेन लाल निषाद, रोजगार सहायक चमेली ठाकुर ,कंप्यूटर ऑपरेटर नरसिंह निषाद और जानिक साहू ने कार्यक्रम की सफलता में योगदान दिया।

बिजनेस साइट

ओम ज्वेलर्स को ग्राहकों का मिल रहा बेहतर प्रतिसाद

भिलाई। ओम ज्वेलर्स के संचालक ने तीज पर्व एवं गणेश चतुर्थी की शुभकामनाएं दी है। शहर के हृदय स्थल इंदिरा मार्केट प्रिया श्रृंगार सदन के सामने शॉप नंबर 64बी में स्थित ओम ज्वेलर्स दुर्ग अपने ग्राहकों के हितों के लिए हमेशा प्रतिबद्ध है। जहां आपको मिलता है भारत सरकार द्वारा huid पास टोटल हॉलमार्क के गहनों का विशाल रेंज उपलब्ध है। जिसमें नये व पुराने ग्राहकों को 100 प्रतिशत संतुष्टी निश्चित होकर गहने खरीद सकते हैं। साथ ही गहनों मे टूट फुट की 2 साल की रिपेरिंग फ्री की सुविधा उपलब्ध है। मनपसंद कलात्मक जेवर, ग्राहकों के रुपयों के अनुरूप कम कीमत से ज्यादा क़ीमत पर एक से एक नई नई डिजाइन उपलब्ध रहता है, लाइट वेट से अधिकतम वेट की ज्वेलरी में सोने के नेकलेस, झुमका, बाली, एरिंग टॉप्स, रानी हार, चोकर.चांदी में पायल कमरबंद, बाजूबंद बिछिया, ऑल सोने चांदी की एक से बढ़कर एक वैरायटियों का नई-नई डिजाइन का विशाल रेंज उपलब्ध है। वहीं दूल्हे दुल्हन के लिए खास टूर बैग, इम्पोर्टेन्ट वॉच, जितना सोना उतना चांदी फ्री ग्राहकों की तत्काल गिफ्ट दिया जाता है। क़ीमत भी सबसे कम चीप दर पर गहने प्रदान किया जा रहा है और भी विशेषताएं प्रदान की जाती है। जैसे अपने पुराने सोने को नये जैसे बनाए वो भी बिना नुकसान के बिना वजन कम हुए तत्काल, पुराने सोने चांदी की 100 प्रतिशत मूल्यों के साथ वापसी, पुराने सोने-चांदी का तत्काल रिपेरिंग, मंगलसूत्र गुथायी 0 चार्जेबल पर, किसी भी गोल्ड के गहने पर 100 प्रतिशत वापसी, हमारी संस्थान में किसी भी प्रकार के गहने, जेवरों का पेमेंट घर से करने की सुविधा उपलब्ध, सभी प्रकार की चेक स्वीकार किए जाते हैं, आल एटीएम, डेबिट, क्रेडिट कार्ड स्वीकार किये जाते हैं, भारत सरकार द्वारा प्रमाणित 916.(22c)833(20c)750(18c)टोटल हॉलमार्क की गहने की भरपूर रेंज उपलब्ध, हर दस हजार की खरीदी पर चांदी की मूर्ति फ्री, हमारी संस्थान ग्राहकों को अच्छी क्वालिटी व गुणवत्ता की सुविधा प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है।

कमला मोटर्स में हार्वेस्टिंग मशीन की डिलीवरी

दुर्ग। नवरात्रि के तृतीय दिवस माँ चंद्रप्रभा देवी की पूजा-अर्चना के उपरांत कमला मोटर्स, दुर्ग में क्रॉप मास्टर केएस-9300 सेल्फ प्रोपेल्ड कंबाइंड हार्वेस्टर मशीन की डिलीवरी सम्पन्न हुई। इस अवसर पर किसान अरुण निषाद ने अपने पुत्र बृजेश निषाद को यह मशीन समर्पित कर न केवल परिवार, बल्कि पूरे ग्राम डोकी दीह बालोद को गौरवान्वित किया। डिलीवरी कार्यक्रम में उनके साथ नंदकुमार निषाद, कमल निषाद, दुलेश्वर निषाद, गजाधर निषाद, पुरण निषाद, राजेश साहू एवं अन्य मित्रगण उपस्थित रहे। कमला मोटर्स की ओर से डिलीवरी प्रदान करते समय सह संचालक पद्मेश जैन, सेल्स प्रमोटर सत्य श्री लक्ष्मीनारायण चंद्राकर, शाखा प्रबंधक खेमचंद गुप्ता, तथा आगंतुक पुजारीन नंदिता सामंत सहित अनेक अतिथि एवं साथीगण मौजूद थे। कमला मोटर्स सदैव 'बिक्री से अधिक बिक्री पश्चात सेवा' की नीति पर कार्य करता है। कंपनी ने किसान परिवार को उज्ज्वल भविष्य, समृद्ध फसल और कृषि कार्य में प्रगति की शुभकामनाएं दीं।

पुलगांव वासियों ने मंत्री गजेंद्र पर जताया आभार

अंडा। पुलगांव के काफी लंबे समय से मुक्तिधाम की मांग उठ रही थी गांव के लोग खुले में दाह संस्कार करने मजबूर थे। सबसे ज्यादा तकलीफ लोगों को बरसात में होती थी। जहां बरसते पानी में किसी व्यक्ति की मृत्यु हो जाने पर दाह संस्कार करना काफी मुश्किल होता था। विधायक गजेंद्र यादव को वार्डवासियों ने इस विकट समस्या से अवगत कराया तो उन्होंने तुरंत निराकरण करने का आश्वासन दिया था। भाजपा उपाध्यक्ष लक्ष्मीकांत दुबे ने बतलाया कि वार्ड में सबसे बड़ी समस्या मुक्तिधाम की थी 5000 आबादी वाले इस वार्ड में दाहसंस्कार करने में काफी समस्याओं का सामना करना पड़ता था। मुक्तिधाम का पहुंच मार्ग काफी जर्जर हो गया था। वहां पर पानी और बिजली , प्रतीक्षालय की समुचित व्यवस्था भी नही थी। इस समस्या से जब विधायक व मंत्री गजेंद्र यादव को अवगत कराया गया तो उन्होंने लगभग 32 लाख की राशि स्वीकृति प्रदान की थी। जिसका लोकार्पण विधायक गजेंद्र यादव के हाथों किया गया। दुबे ने बताया कि वार्डवासियों ने मंत्री यादव के प्रति आभार व्यक्त किया है।

अंचल की खबरें

सदगुरु रूप में आते हैं ईश्वर : रामानंदाचार्य

पाटन। कृषि उपज मंडी पाटन में श्री कथा यज्ञ का तीसरे दिन व्यास पीठ से रामानंदाचार्य नरेंद्रचार्य महाराज के कृपा प्राप्त प्रवचनकार भूषण रोहित मोडे ने कहा जिसने सदगुरु से दीक्षा ली उसके जीवन का कल्याण हो गया। ईश्वर और सदगुरु एक ही है। गुरु जन्मों जन्मों से हमारे पीछे चल रहे है। सदगुरु से प्रेम किया तो ईश्वर स्वयं आपके पीछे आते है। जैसे शबरी के पास भगवान राम आए। इसका पहला कदम नाम दान प्राप्त करना है। इसी कड़ी में जगद्गुरु रामानंदाचार्य नरेंद्रचार्य जी ने ऑनलाइन गुरु का महत्व बताते हुए बताया कि जीवन में सभी को सुख,समाधान,आनंद चाहिए। यदि आपको शाश्वत सुख चाहिए तो तुम मुझे भक्ति दो मै तुम्हें धैर्य दूंगा। प्रपंच और परमार्थ करते हुए जीवन में मोक्ष प्राप्त करना है तो सद्गुरु के शरण जाना होता है। इस दौरान रामानंदाचार्य ने ऑनलाइन 50 लोगों ने नामदान दिया। शास्त्रोक्त पद्धति,पूजा हवन पुरोहितों ने विधि संपन्न कराया। कार्यक्रम के मध्य में रासलीला की गई तथा भंडारा प्रसादी दी गई। कार्यक्रम में दुर्ग के संसद विजय बघेल के साथ जितेंद्र वर्मा प्रदेश महामंत्री के साथ स्थानीय पार्षदों ने रामानंदाचार्य की दिव्य सिद्ध पादुकाओं का दर्शन लाभ लिया। अध्यक्ष राजकुमार पवार ने संसद और अथिति का आभार व्यक्त किया। यजमान मोहन देवांगन एवं मीरा देवांगन के साथी बड़ी संख्या में भक्तों, शिष्यों ने भाग लिया।

पूर्व गृहमंत्री ताम्रध्वज ने किया माता बम्लेश्वरी की दर्शन

अंडा। छत्तीसगढ़ प्रदेश के पूर्व गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू शारदीय नवरात्रि के प्रथम दिवस पर अपने एक दिवसीय प्रवास पर राजनांदगांव जिले के धर्म नगरी डोंगरगढ़ पहुंचे। उन्होने सपरिवार मां बम्लेश्वरी देवी के दरबार पहुंचकर उनके दर्शन किये और पूजा-अर्चना कर प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि व खुशहाली की कामना की। साथ ही वे नीचे छोटी माँ बम्लेश्वरी देवी के दर्शन कर उनका आशीर्वाद लिया।

दीदी के गोठ से महिलाओं ने ली प्रेरणा

अंडा। राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन बिहान समूह के महिलाओं के लिए छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा आयोजित 'दीदी के गोठ' विशेष आकाशवाणी रेडियो कार्यक्रम ग्राम पंचायत तिरगा में समूह के महिलाओं ने सामूहिक रूप से श्रवण किया गया। यह कार्यक्रम ग्रामीण महिलाओं के सशक्तिकरण, उनके आजीविका से जुड़े उत्कृष्ट कार्यों और सफलता की कहानियों को साझा करने के उद्देश्य से राज्य सरकार द्वारा शुरू किया गया है। इस अवसर पर सरपंच घसिया राम देशमुख, सचिव सूर्यकांत देशमुख, उपसरपंच सुखीत राम, पंच कुलेश्वरी देशमुख, गोवर्धन ढीमर, जय मां शीतला स्व सहायता समूह, जय अम्बे स्व सहायता समूह, क्रांति समूह तिरगा, स्वास्थ्य समिति तिरगा क्लस्टर अंडा जिला दुर्ग समूह सदस्य गण ग्राम तिरगा पशु सखी एवम कृषि सखी उपस्थित थे।

ग्रामीणों ने लिया रक्तदान शिविर में भाग

अंडा। भारतीय जनता पार्टी अंडा निकुम मंडल के अंतर्गत समुदायिक स्वास्थ्य केंद्र निकुम में विशाल रक्तदान शिविर रखा गया। इस कार्यक्रम में भाजपा जिला अध्यक्ष सुरेंद्र कौशिक और प्रीतपाल बेलचंदन उपस्थित रहे अंडा निकुम मंडल अध्यक्ष लिकेश्वर देशमुख के नेतृत्व में रक्तदान शिविर में 17 यूनिट रक्तदान किया एवं लगभग 20 लोगों के द्वारा रक्त परीक्षण कराया गया। जिसमें मुख्य रूप से महामंत्री पुरन देशमुख एवं डिलेश गब्बर साहू, सेवा पखवाड़ा मंडल की टोली से पुकेश चंद्राकर, भैयालाल साहू, रक्तदान कार्यक्रम प्रभारी माधव प्रसाद देशमुख सह प्रभारी तुलेश साहू, पूर्व जिला पंचायत सदस्य मुकेश बेलचंदन, उपाध्यक्ष पवन देवांगन आदि उपस्थित थे।

गुरेदा स्कूल की छात्राओं को मिली साइकिल

अंडा। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय गुरेदा में राज्य शासन के योजनांतर्गत सरस्वती निशुल्क सायकल योजना सन 2025-26 के तहत कक्षा - 9वीं अध्ययनरत 18 छात्राओं को सायकल वितरण किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व जनपद उपाध्यक्ष वर्तमान शाला विकास समिति के अध्यक्ष हेमंत साहू, सरपंच महेंद्र साहू, उपसरपंच राकेश निषाद पूर्व एसएमडीसी मोती राम साहू, वृहत्ताकार सरकारी समिति के अध्यक्ष कमलेश पांडेय,शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय गुरेदा के प्राचार्य छाया मिश्रा, वरिष्ठ व्याख्याता बिसन कुमार मेकाम आदि उपस्थित थे।

Ajay Advt.

प्रतिबंध के बाद भी बिक रही मांगुर मछली, कार्रवाई का असर नहीं

हरिभूमि न्यूज ⏭ दुर्ग

मत्स्य पालन विभाग ने मांगुर मछली को प्रतिबंधित कर रखा है। बाजार में अवैध रूप से आने वाली इस मछली को लेकर लगातार कार्रवाई भी की जा रही है। बावजूद इसके यह मछली मार्केट में यह बिकने के लिए पहुंच रही है। इसे चोरी-छिपे बेचा जा रहा है। बता दें कि मत्स्य विभाग द्वारा पिछले दो महीने से लगातार इसे लेकर अभियान चलाया जा रहा है। कार्रवाई भी की जा रही है, बावजूद इसके बाजार में यह मछली लगातार पहुंच रही है। इस आक्रामक प्रजाति की मछली को भारत सरकार ने जैव विविधता बॉयो डायवर्सिटी और स्थानीय जलीय पारिस्थितिकी तंत्र इको सिस्टम को होने वाले गंभीर नुकसान के कारण वर्ष 2000 में प्रतिबंधित किया था। जानकारी के मुताबिक पिछले दिनों इस मछलियों को किसी तालाब में डालने से पहले ही पकड़ा गया था। बताया जाता है कि थाइलैंड की मांगुर मछली एक अत्यंत आक्रामक और मांसाहारी मछली है। यह अन्य मछलियों, यहां तक कि स्थानीय प्रजातियों को भी खा जाती है, जिससे जलीय जैव विविधता को गंभीर खतरा होता है।

सेहत से खिलवाड़ : 25 साल पहले लगाया गया प्रतिबंध, इसके बाद भी बिक रही

एनजीटी ने थाइलैंड मांगुर मछली पर लगा रखा है प्रतिबंध

नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल ने मांगुर मछली की खरीदी-बिक्री और पालन पर प्रतिबंध लगा रखा है। सरकार का निर्देश है कि जहां भी इस तरह की प्रतिबंधित मछलियां पाई जाती हैं, उन्हें तुरंत नष्ट कर दिया जाए। यह सुनिश्चित किया जाए कि ये आक्रामक प्रजातियां हमारे जल निकायों में प्रवेश न कर पाए और हमारे स्थानीय जलीय पारिस्थितिकी तंत्र को सुरक्षित रखा जा सके। इस मछली की तस्करी की वजह यह है कि यह किसी भी तरह के पानी में आसानी से जीवित रह सकती है। यहां तक कि बेहद प्रदूषित और गंदे पानी में भी तेजी से बढ़ती है। कम लागत और कम समय में अधिक ग्रोथ मिलने के कारण इसका पालन एक बहुत ही आकर्षक व्यवसाय माना जाता है।

थाई मछली को माना गया है जानलेवा, कैंसर का खतरा

विशेषज्ञों की मानें तो थाई मांगुर को खाना जानलेवा माना गया है। यह मछली कैंसर जैसी घातक बीमारी की वजह बन सकती है। भारत में इस मछली की बिक्री पर बैन लगा हुआ है। कई जगहों पर प्रतिबंध के बावजूद इस मछली को बेचा जाता है, लेकिन लोगों को इसे भूलकर भी नहीं खाना चाहिए। ऐसा करना उनके लिए बेहद नुकसानदायक हो सकता है। यह मछली न केवल इंसानों की सेहत के लिए खतरनाक है, बल्कि यह जलीय जीवों को भी गंभीर नुकसान पहुंचाती है। इसके सेवन से शरीर में हानिकारक टॉक्सिन्स प्रवेश करते हैं, जो गंभीर बीमारियों को जन्म दे सकते हैं। यही कारण है कि इसे कार्सिनोजेनिक फिश यानी कैंसरकारक मछली भी कहा जाता है।

स्वास्थ्य और पर्यावरण दोनों के लिए हानिकारक

इस मछली को स्वास्थ्य और पर्यावरण दोनों के लिए बेहद खतरनाक माना गया है। इसके बाद भी यह मछली बाजारों में धड़ल्ले से बिकने के लिए पहुंच रही है। ये मछली ड्रेनेज और गंदे पानी में भी जिंदा रह सकती है। पानी की क्वालिटी को बुरी तरह प्रभावित करती है। यह मछली इकोसिस्टम को असंतुलित करती है। लोकल प्रजातियों को खत्म कर देती है। राज्य के अधिकांश जिलों में लंबे समय तक कोई कार्रवाई नहीं की गई। पिछले दिनों दुर्ग जिले में इसकी खपत की जानकारी के बाद विभागीय जांच के बाद कार्रवाई की गई।

नियमित रूप से जांच और कार्रवाई

“ मांगुर मछली सेहत के लिए हानिकारक है। इस पर प्रतिबंध लगा हुआ है। जिले में नियमित रूप से कार्रवाई की जा रही है। लोगों को भी जागरूक किया जा रहा है। दो महीने में कई कार्रवाई की गई है।

सीमा चंद्रवंशी, उपसंचालक मत्स्य विभाग दुर्ग

खबर संक्षेप

रेलवे स्टेशन में लावारिस मिली बच्ची, पूछताछ जारी

भिलाई। रेलवे स्टेशन दुर्ग में एक बच्चीं लावारिस हालत में मिली। खबर लगने पर मोहन नगर पुलिस के 112 चिता-2 के आरक्षक राजेश्वर साहू को इवेंट के तहत कॉलर सुरेंद्र मेश्राम से सूचना मिली। बच्चीं रेलवे स्टेशन ओवरब्रिज गेस्ट हाउस के पास 6 साल की बच्ची बारिश में भीगती हुई लावारिस मिली। पुलिस मौके पर पहुंची और बच्ची से नाम पूछने पर उसने अपना नाम बताया। उसके बाद पुलिस ने रेलवे स्टेशन के आसपास होटल, ढाबा, मंदिर और अन्य स्थानों पर पड़ताल की तथा रेलवे पुलिस को सूचना दी। बच्ची को लेकर तलाश करने के दौरान उसकी मां भारती मिली। जिसने बताया कि बच्ची रेलवे स्टेशन से गुम हो गई थी। पुलिस ने बच्ची को उसकी मां के सुपुर्द किया। महिला नागपुर की रहने वाली है। जिसे ट्रेन से नागपुर जाने की हिदायत दी गई।

क्रेडिट कार्ड के रिवार्ड का झांसा देकर 14 लाख ठगे

भिलाई। क्रेडिट कार्ड से रिवार्ड का झांसा देकर लाखों रुपए का ठगी करने का मामला सामेन आया है। शिकायत पर पुलिस ने जुर्म दर्ज किया है। दुर्ग कोतवाली पुलिस ने बताया कि ई 101 अमर हाईटर्स शिवनाथ नदी रोड दुर्ग निवासी राजेश सेठी यस बैंक के क्रेडिट कार्ड से किसी अज्ञात ने 14 लाख 9 हजार 350 रूपये पार कर ठगी किया। 19 सितंबर की शाम पीड़ित के मोबाईल पर अज्ञात ने कॉल किया। अज्ञात ने यस बैंक क्रेडिट कार्ड में 5000 रिवार्ड पाईट होने की जानकारी दी। क्लेम करोगे तो क्रेडिट कार्ड मे जमा होने का झांसा दिया। रिवार्ड पाईट क्लेम करने की सलाह भी दिया। जब पीड़ित ने फोन रखा तो क्रेडिट कार्ड से अलग अलग किस्तों में कुल 14 लाख 93 हजार 350 रूपये पार हो गए। यस बैंक क्रेडिट कार्ड से पैसे कटने का मैसेज मोबाईल मे आया।

बीएसपी के बार एंड मिल में नयी चेतना कार्यक्रम

अधिकारियों ने ठेका श्रमिकों को किया जागरूक

भिलाई। भिलाई इस्पात संयंत्र के मिल्स ज़ोन के तहत बार एवं राड मिल विभाग में महिला ठेका कार्मिकों के लिए नयी चेतना कार्यक्रम का आयोजन बार एवं राड मिल सभागार में किया गया। मुख्य अतिथि महाप्रबंधक एसएन त्रिपाठी व महाप्रबंधक शिखर तिवारी थे। इस अवसर पर ठेका मजदूरों को जागरुक किया गया।

श्री त्रिपाठी ने कहा कि महिला ठेका कार्मिकों को कर्तव्य, जिम्मेदारी, अधिकार, स्वास्थ्य एवं सुरक्षा की सही जानकारी होना आवश्यक है। उन्होंने कार्मिकों से आग्रह किया कि वे सुरक्षा एवं अन्य विषयों पर दी जा रही जानकारी को ध्यानपूर्वक ग्रहण करें।

अतिरिक्त मुख्य चिकित्सा अधिकारी शुभश्री प्राशंत ने सुरक्षा, संतुलित आहार, स्वास्थ्य एवं स्वच्छता पर जानकारी दी।

सेवा पखवाड़ा में आज उपाध्याय जयंती

धमधा। भाजपा मंडल की ओर से सेवा पखवाड़ा में विविध कार्यक्रम हो रहे हैं। इसी कड़ी में 25 सितम्बर को धमधा मंडल के सभी 49 बूथों में पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती मनाई जाएगी और ग्राम देवरी में वृहद रूप से एक पेड़ माँ के नाम लगाया जाएगा। जिसमे प्रमुख रूप से साजा विधायक ईश्वर साहू, दुर्ग भाजपा जिलाध्यक्ष सुरेन्द्र कौशिक, पूर्व संसदीय सचिव लाभचंद बाफना उपस्थित रहेंगे। साथ ही 29 सितम्बर को ग्राम पेंड्रावन में निःशुल्क मोबाईल दंत चिकित्सा शिविर लगाया जाएगा। इस कार्यक्रम में मंडल के संयोजिका श्वेता शर्मा एवं सहसंयोजक श्री आत्मा यादव और कौशल साहू है । मंडल की उपाध्यक्ष मंजू धीवर और देवनाथ सिन्हा ने यह जानकारी दी।

आज और रहेंगे ऐसे ही हालात, फिर 26 से 28 तक नया सिस्टम बनेगा

मानूसन का पैटर्न बदला, विदाई के दौर में सावन जैसी झड़ी और पूरे दिन बारिश

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिलाई

वर्ष 2017 के बाद मानसून का पैटर्न बदला है। इस बार का मानसून टर्म समाप्त हो चला है लेकिन अचानक बंगाल की खांडी में दो सिस्टम और सक्रिय हो गए। जिसकी वजह से बुधवार को पूरे दिन सावन सी झड़ी और झमाझम बारिश होती रही। इस दौरान रह-रह के बादल भी गरजते रहे और बिजली भी कड़कती रही। बारिश से पूरा शहर तर-बतर हो गया। नालियों का पानी सड़क पर आ गया। पूरे दिन लोग अपने घरों में दुबके रहे। सरकारी कार्यालय सूने पड़े रहे। मार्केट भी सूना सा रहा। मौसम की ऐसी स्थिति गुरुवार 25 सितंबर को भी रहेगी। केवल 26 सितंबर को आसमान खुले रह सकते हैं और उसके बाद फिर से बंगाल की खाड़ी में एक और नया सिस्टम सक्रिय होने की संभावना है। इस सिस्टम की वजह से 26 सितंबर से 28 सिंतबर तक बारिश के हालात बनेंगे।

मौसम विभाग के मुताबिक एक निम्न दाब का क्षेत्र गंगेटिक पश्चिम बंगाल के तटीय क्षेत्र और उससे लगे उत्तर उड़ीसा तथा उत्तर पश्चिम बंगाल की खाड़ी के ऊपर स्थित है। इसके साथ ऊपरी हवा का चक्रीय चक्रवाती परिसंचरण 7.6 किलोमीटर ऊंचाई तक विस्तारित है। अगले 24 घंटे में इसके कमजोर होने की संभावना है। एक द्रोणिका गंगेटिक पश्चिम बंगाल और उससे लगे उत्तर उड़ीसा तथा उत्तर पश्चिम बंगाल की खाड़ी में स्थित निम्न दाब के क्षेत्र से तेलंगाना तक 1.5 किलोमीटर से 3.1 किमी ऊंचाई तक विस्तारित है। दूसरा द्रोणिका गंगेटिक पश्चिम बंगाल के तटीय क्षेत्र और उससे लगे उत्तर उड़ीसा तथा उत्तर पश्चिम बंगाल के खाड़ी से दक्षिण महाराष्ट्र तट तक उड़ीसा, दक्षिण छत्तीसगढ़, तेलंगाना, उत्तर अंदरूनी कर्नाटक से होते हुए 4.5 किलोमीटर से 5.8 किलोमीटर ऊंचाई तक विस्तारित है। इसलिए 24 सितंबर को अनेक स्थानों पर हल्की व मध्यम वर्षा होगी। भारी वर्षा का क्षेत्र मुख्यतः मध्य छत्तीसगढ़ रहेगा।

भिलाई-दुर्ग में निचली बस्तियों में भरा पानी, लोग घंटों होते रहे परेशान

पैटर्न बदलने की वजह से ऐसी बारिश

“ वर्ष 2017 से मानसून का पैटर्न बदला है। पहले जुलाई -अगस्त में 70 प्रतिशत बारिश होती थी। इस बार जुलाई में कम और अगस्त-सितंबर में ज्यादा बारिश हुई हैं। पहले 15 सितंबर को मानसून लौट जाता था इस बार ऐसा नहीं हुआ। खाड़ी में अचानक से नए सिस्टम बन जाते हैं और निम्न दाब का क्षेत्र बनता है तो बारिश होती ही है।

डॉ. एपी चंद्रा, मौसम विज्ञानी

25 से 27 सितंबर तक ऐसी रहेगी स्थिति

मौसम विभाग के मुताबिक एक निम्न दाब का क्षेत्र उत्तर पश्चिम बंगाल की खाड़ी और उससे लगे मध्य बंगाल के खाड़ी के ऊपर 25 सितंबर को बनने की संभावना है। इसके पश्चिम दिशा में आगे बढ़ने की संभावना है। इसके और अधिक प्रबल होकर अवदाब के रूप में उत्तर पश्चिम बंगाल की खाड़ी और उससे लगे पश्चिम मध्य बंगाल की खाड़ी दक्षिण उड़ीसा तक और उत्तर आंध्र तरफ से दूर परिवर्तित होने की संभावना है। इसके दक्षिण उड़ीसा - उत्तर आंध्र प्रदेश तट के पास 27 सितंबर को पहुंचेगी। इसके कारण प्रदेश के बस्तर संभाग और उससे लगे जिलों में 26 सितंबर से भारी से अति भारी वर्षा होने की संभावना है।

कर्मियों को हो रही दिक्कत जल्द शुरू करें टाइम ऑफिस

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिलाई

भिलाई कर्मचारी यूनियन ने बीएसपी कर्मियों की लंबित समस्याओं के जल्द निदान की मांग की है। मुख्य महाप्रबंधक के नाम महाप्रबंधक को सौंपे ज्ञापन में समस्याओं से अवगत कराते हुए बताया गया कि इससे कर्मियों को कई तरह की परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। यूनियन ने जीएम विकास चंद्रा को सौंपे ज्ञापन में बताया कि कार्मिक विभाग केकर्मचारियों का ट्रेनिंग पीरियड को सेवा काल में अब तक नहीं जोड़ा गया है। सीएनआईटी द्वारा बनाई गई वेबसाइट बीएएमएस में अटेंडेंस संबंधी समस्याएं लगातार बनी हुई है। दोनों समय अटेंडेंस लगाने के बाद भी सिंगल पंच दिखाई देना, छुट्टी भरने में आ रही दिक्कतें, सर्वर स्लो होने के कारण अधिकारियों को कर्मचारियों की छुट्टी शर्टिफाइड करने में भारी समस्या आ रही है।

■ भिलाई कर्मचारी यूनियन ने बीएसपी सीजीएम को सौंपा दस सूत्रीय ज्ञापन

यूनियन ने मांग की कि कर्मियों को छुट्टी भरने में हो रही परेशानियों को देखते हुए टाइम ऑफिस को सहयोगी के तौर पर फिर से है शुरू किया जाए और ई एल बनने में विसंगतियो को दूर किया जाए। साथ ही स्थानीय एमबीबीएस डॉक्टर का मेडिकल सर्टिफिकेट छुट्टी के लिए मान्य किया जाए और . रिटायरमेंट के समय फाइनल पेमेंट फाइनल पेमेंट की गणना विसंगति को दूर करे।

हैंडसेट व छुट्टी करें पास करने की मांग की गई

भिलाई कर्मचारी यूनियन ने प्रबंधन से सभी कर्मचारियों को मोबाइल हैंडसेट दिए जाने की मांग की। साथ ही हड़ताल के समय ड्यूटी में अनुपस्थित कर्मचारियों का प्रमोशन प्रबंधन ने रोक रखा है, प्रमोशन जल्द दें।

पारिवारिक कारणों से 28 अक्टूबर को ड्यूटी नहीं जाने वाले कर्मचारियों की छुट्टी पास की जाए व फेस्टिवल एडवांस 5000 से बढ़कर 25000 रुपए किया जाए। साथ ही सभी रेस्टोरेंट में पंखे कूलर एवं सफाई की उचित व्यवस्था की जाए एवं इसकी मॉनिटरिंग लेबर ऑफिसर से कराई जानी चाहिए। प्रतिनिधि मंडल में अध्यक्ष राजेश चौहान, महामंत्री अशोक माहौर, कार्यकारी अध्यक्ष आनंद पांडेय सहित अवधेश पांडेय तरूण सेमुअल, संजय शाह, शिवशंकर यादव, ओ पी तीतरमारे तथा गजानन बंछोर शामिल थे।

श्रम संगठनों का योगदान संपूर्ण विश्व में सराहनीय : पीएन शाह

भिलाई। संयुक्त ट्रेड यूनियन भिलाई के संयोजकत्व में श्रमिकों की प्रबंधन में भागीदारी विषय पर प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण(टीओटी) कार्यक्रम भिलाई निवास मे हुआ । मुख्य अतिथि दत्तो पंत ठेंगड़ी राष्ट्रीय श्रमिक शिक्षा एवं विकास बोर्ड श्रम मंत्रालय क्षेत्रीय निदेशालय रायपुर के शिक्षा अधिकारी पशुपतिनाथ शाह द्वारा विभिन्न ट्रेड यूनियनों के पदाधिकारियों को सहभागिता प्रबंधन एवं अन्य विषयों पर जानकारी दी गई ।

उद्घाटन सत्र मे संयुक्त ट्रेड यूनियन के संयोजक एवं इंटक महासचिव वंश बहादुर सिंह ने कहा कि उद्योग तभी बेहतरीन ढंग से चल सकता है जब प्रबंधन में श्रमिकों एवं यूनियनों की उचित भागीदारी होगी । श्री शाह ने कहा कि उद्योग को अगर एक सिक्का माना जाए तो दूसरा पक्ष सहयोग है, और सहयोग की इस प्रक्रिया में श्रम संगठनों का योगदान संपूर्ण विश्व में सराहनीय है । बीएसपी यदि महारत्न कंपनी के रूप में राष्ट्रीय धरोहर बनी है तो इसमें श्रमिकों एवं श्रमिक संघों का सराहनीय योगदान है पशुपतिनाथ साह ने 5ई (एजुकेशन एक्सपीरियंस एनवायरनमेंट एक्सीलरेट इंथूसिज्म) के माध्यम से श्रमिक संगठन को बेहतर बनाने का सुझाव दिया । समापन सत्र में एचएमएस महासचिव प्रमोद मिश्रा स्टील वर्कर्स यूनियन के अध्यक्ष नंदकिशोर गुप्ता एक्टू के महासचिव बृजेंद्र तिवारी ने अपने संबोधन में इस प्रशिक्षण कार्यक्रम को उपयोगी बताया । एटक महासचिव विनोद कुमार सोनी ने आभार प्रदर्शन किया।

इस अवसर पर इंटक के एस रवि, धनेश प्रसाद, डी शंकर, किशोर प्रधान, राजेश कुमार, रघुवर गोंड सोहन कुमार चंदन,संतोष सिंह,टंडन दास आदि यूनियनों के पदाधिकारी उपस्थित थे।

हत्या कर शव को फेंका महिला निकली बैंक कर्मी

भिलाई। शनिवार को ग्राम टेमरी में मिले महिला की

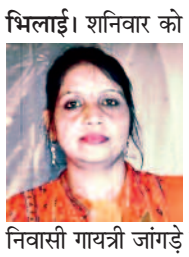

लाश का पुलिस ने शिनाख्त कर लिया है। मामले में पुलिस ने पहले ही हत्या का अपराध कायम कर जांच में लिया है। पुलगांव पुलिस ने बताया कि महिला का नाम पोटिया चौक निवासी गायत्री जांगड़े है। जिसका गला दबाकर, सिर कुचलकर हत्या किया गया है। महिला गायत्री महाराजा चौक दुर्ग में स्थित महाराष्ट्रा बैंक में कार्यरत थी। किराए के मकान में रहती थी। पुलिस महिला के हत्याकांड से पर्दा अब तक नहीं उठाया है। पुलिस आसपास में लगे सीसी कैमरों को खंगालना शुरु किया है। जिसमें एक संदिग्ध किस्म का व्यक्ति उसके साथ दिख रहा है। मृतका ने अपने भतीजे को शुक्रवार को कॉल कर बताया था कि संदिग्ध के साथ खाना खाने होटल जा रही है। उसके दूसरे दिन शनिवार सुबह गायत्री की लाश ग्राम दमोदा टेमरी में मिली थी। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और शिनाख्त के लिए पुलिस जुटी रही। मृतका की फोटो को सोशल मीडिया में जमकर वायरल करने के बाद परिजनों को जानकारी हुई थी।

ब्लास्ट फर्नेस में पेयजल के लिए तरस रहे कर्मी, प्रबंधन से निदान की मांग

भिलाई। भिलाई इस्पात मज़दूर संघ यूनियन की बैठक भिलाई इस्पात मज़दूर संघ कार्यालय में हुई । बैठक में भिलाई इस्पात संयंत्र का धमन भट्ठी 6 में कर्मियों कि समस्याओं के निदान की मांग की गई। नियमित पेयजल, शौचालय,न प्रदुषण मुक्त बैठक कक्ष और सुरक्षा आदि की मांग की गई।

यूनियन अध्यक्ष चन्ना केशवलू ने बताया कि ब्लास्ट फर्नेस में यूनियन की शिकायत उच्चाधिकारियों तक पहुंचाने से ईडी के आदेश पर कुछ दिन के लिए नियमित पेयजल बहाल किया गया था लेकिन बाद में पुनः इसे बंद कर दिया जाता है । महारत्न कंपनी के मदर शाप की ऐसी बदहाली भविष्य की यह तस्वीर को उजागर करती है। कार्यस्थल की बदहाल परिस्थितियां अब प्रबंधन की प्राथमिकता में है भी या नहीं यह गंभीर प्रश्न है ?केवल उत्पादन के नाम पर कार्य स्थल पर असुरक्षा एवं

बदहाली में कर्मचारी अपनी जान जोखिम में डालकर कार्य कर रहे हैं । कर्मचारियों के परेशानियों को भिलाई इस्पात मज़दूर संघ यूनियन के द्वारा उच्चाधिकारियों तक लगातार पहुँचाने बाद भी प्रबंधन द्वारा मूलभूत सुविधाओं का अभाव समझ से परे है । नौ महीने से नियमित पेयजल आपूर्ति की मांग प्रबंधन पूर्ण नहीं कर पा रहा है। घटिया कैंटीन एवं गंदगी से परेशान विवश कर्मचारी अब घर से टिफिन के साथ साथ पेयजल भी बोतल में लाकर काम चला रहे हैं।घर से लाया हुआ एक बोतल पानी खत्म होने पर कर्मचारी के सामने ये दुविधा होती होती है ।

Ajay 9827144371

हरिभूमि

रायपुर, 25 गुरुवार, 2025

लाइव

Email id- haribhoomibhilai@gmail.com

7747020002, Message at - 9755819129

02

एक हजार महिलाएं पैदल चल पड़ी बेटी बचाओ बेटी बढ़ाओ और महिला सशक्तिकरण का संदेश लेकर माता दर्शन को

लाइव इवेंट

तार घर सेक्टर-1 में होटल ताज की झलक नजर आ रही

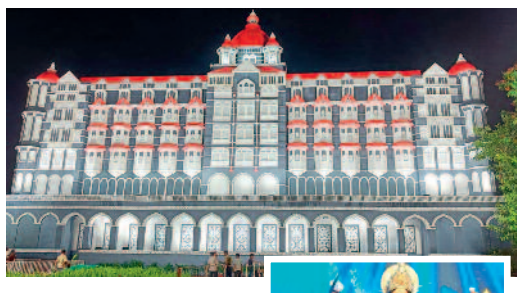

भिलाई। इस बार तार घर सेक्टर-1 में होटल ताज की झलक झांकियों में नजर आ रही है। नवयुवक दुर्गा उत्सव समिति द्वारा माता की प्रतिमा स्थापित की गई है। होटल ताज को देखने के लिए बड़ी संख्या लोग में दुर्गा पंडाल पहुंच रहे हैं।

आकाशगंगा में हो रहे तिरुपति बालाजी के दर्शन

भिलाई। आकाशगंगा में इस बार तिरुपति बालाजी के दर्शन हो रहे हैं। दुर्गा उत्सव समिति आकाशगंगा द्वारा मां दुर्गा की प्रतिमा स्थापित की गई है। समिति द्वारा प्रतिदिन भंडारा का आयोजन किया जा रहा है। व्यापारियों द्वारा दुर्गा प्रतिमा स्थापित की गई है। झांकियां भी तैयार की गई है।

लाइव इवेंट

रासेयो के स्थापना दिवस पर विभिन्न स्पर्धाओं का आयोजन

भिलाई। दुर्ग। शासकीय डॉ. वामन वासुदेव पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय दुर्ग की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. रंजना श्रीवास्तव के मार्गदर्शन में स्थापना दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्राचार्य डॉ. रंजना श्रीवास्तव ने कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना का उद्देश्य छात्राओं के व्यक्तित्व व चरित्र का विकास करना व समाजसेवा के माध्यम से युवाओं को राष्ट्र निर्माण से जोड़ना है। छात्राएँ अपने आस-पास के वातावरण को स्वच्छ रखने में अपनी सहभागिता निभाए। इसकार्यक्रम के तहत छात्राएँ विभिन्न सामाजिक व सामुदायिक गतिविधियों में स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण, स्वास्थ्य आपदा राहत कार्य आदि, छात्राओं के द्वारा किये गये कार्य समाज में सेवा और सहानुभूति के महत्व को दर्शाता है।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय स्तर पर सहभागी छात्राओं को एक पेड़ माँ के नाम, अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस, नशामुक्ति, रैली, बी-प्रमाण पत्र का वितरण किया गया। महाविद्यालय स्तर पर आयोजित स्वतंत्रता दिवस परेड, व्यास पूजा कार्यक्रम डॉ. भीमराव अम्बेडकर जयंती पर प्रश्नोत्तरी, पोस्टर व निबंध प्रतियोगिता, पर्यावरण संरक्षण के अंतर्गत स्लोगन एवं पोस्टर प्रतियोगिता की छात्राओं को प्रमाण पत्र दिया गया। रजत जयंती समारोह के अंतर्गत गोदग्राम खपरी में नशामुक्ति पर नुक्कड़ नाटक, पोस्टर प्रतियोगिता की छात्राओं को प्रमाण-पत्र दिया गया। साथ ही समस्त कार्यक्रम की सहभागी छात्राओं को पुरस्कृत किया गया। श्रीमती ज्योति भरणे, श्रीमती वंदना बंजारे, दीपकठाकुर प्रतियोगिताओं के निर्णायक के रूप में विशेष योगदान दिया। इस अवसर पर डॉ. रेशमा लाकेश, डॉ. मोनिया राकेश का सक्रिय सहयोग रहा। एन.एस.एस. की छात्राएँ उपस्थित थी। कार्यक्रम का संचालन डॉ. यशेश्वरी ध्रुव तथा आभार ज्ञापन डॉ. सुषमा यादव ने किया।

● ट्रेंनिग के अंतिम दिन झमाझम बारिश में रेनकोट और छाता लेकर पहुंचे प्रतिभागी

दो दिवसीय गरबा का आज से आगाज, प्रतिभागी हो गए ट्रेनिंग लेकर तैयार, झूमते हुए देंगे मनमोहक प्रस्तुति

भिलाई। सेक्टर-8 स्टील क्लब में बुधवार को दैनिक हरिभूमि व आईएनएच द्वारा आयोजित डांडिया महोत्सव सीजन-10 के ट्रेनिंग क्लास में अंतिम दिन प्रतिभागियों ने धोधिया, भाई-भाई, ऐ भईया जी जरा ताली बजा देना, दो व चार ताल, भवानी गरबा, सनेड़ों से साथ ही टिमली व टिटेडों स्टेप पर काफी अभ्यास किया। अंत में सभी प्रतिभागियों को गरबा की पाठशाला लगाकर अतिथियों द्वारा टोकन नंबर भी प्रदान किए गए। ग्रैंड फिनाले के पहले दिन प्रतिभागी पारंपरानुसार माता रानी की आराधना करेंगे। ट्रेनिंग सेंशन के छठवें दिन संगीता प्रशांत पांडे सहित अन्य महिलाएं उपस्थित थीं। भक्ति में झूमते हुए देंगे मनमोहक प्रस्तुति।

गरबा की पाठशाला में वितरित किया टोकन नंबर

ट्रेनिंग के अंतिम दिन टोकन नंबर वितरण के पहले ट्रेनर्स ने जमकर प्रैक्टिस कराई। बुधवार सुबह से ही हो रहे झमाझम बारिश के बीच रेनकोट और छाता लेकर प्रतिभागी ट्रेनिंग और टोकन नंबर लेने पहुंचे थे। इस दौरान कोरियोग्राफर जॉन ने फाइनल प्रेक्टीस कराकर गरबा की पाठशाला लगाई। जहां सभी प्रतिभागी कतारबद्ध होकर नीचे बैठे और सभी ट्रेनर्स ने फाइनल में होने वाली राउंड के बारे में विस्तृत जानकारी दी। साथ ही सभी ने अपनी जगह पर बैठे बैठे ही गरबा किया और सभी को टोकन नंबर वितरित किये गए।

अतिथियों ने किया गरबा

ट्रेनिंग सेशन के छठवें दिन बुधवार को प्रतिभागियों ने डाकला, टिटोडो, भवानी, सेनेड़ो, टिमली आदि गरबा गीतों में गरबा के स्टेप सीखकर घंटो तक अभ्यास किया। ट्रेनिग सेशन में नृत्य कला मंदिर से रानी नंदिनी, सांई एरोबिक क्लासेस के डायरेक्टर संतोष काले, जॉन डांस एकेडमी के जॉन सन ने प्रतिभागियों का उत्साह वर्धन किया। हरिभूमि डांडिया महोत्सव सीजन 10 का आयोजन सर्व समाज कल्याण समिति के अध्यक्ष इंद्रजीत सिंह, टैब्स एसोसिएट के डायररेक्टर संजय गुप्ता, स्पर्श हॉस्पिटल रामनगर, एचटीसी रायपुर और बोल बम सेवा एवं कल्याण समिति, कमला मेडिकल, सत्कार ऐजेंसी, बीएस फर्नीचर खुर्सीपार, फायर सेफ्टी, नरेश ट्रेडिग सेक्टर 1, श्रीसज्या बुटिक आकाशगंगा, समाजसेविका अनामिका रमेश पटेल के सहयोग से किया जा रहा है।

सीजन 10 का आज होगा शुभारंभ

दैनिक हरिभूमि व आईएनएच द्वारा आयोजित डांडिया सीजन-10 का शुभारंभ आज शाम 6 बजे से स्टील कलब सेक्टर 8 में किया जाएगा। दो दिवसीय इस भव्य आयोजन के अंतिम दिन विजेताओं को पुरस्कृत किया जाएगा। 25 और 26 सितंबर दो दिवसीय महोत्सव में प्रतिदिन प्रतिभागियों को गरबा के पारंपरिक वेशभूषा में आना अनिवार्य है। इस आयोजन से संबंधित जानकारी के लिए 9755819129 में संपर्क किया जा सकता है।

ग्रैंड फिनाले में रहेगा ट्रेडिशनल ड्रेस

25 और 26 को होने वाले ग्रैंड फिनाले के पहले व दूसरे दिन ट्रेडीशनल ड्रेसअप थीम दिया गया है। जिसमें निर्णायकों द्वारा विजेताओं के नाम घोषित किए जाएंगे।

कानन पेंडारी लाया गया एक क्रोकोडायल

भिलाई। मैत्रीबाग आने वाले पर्यटकों के लिए एक अच्छी खबर है। चिड़ियाघर में आज एक नया मेहमान लाया गया है। नंदन कानन जू से यहां एक युवा क्रोकोडायल को लाया गया है। इसके साथ ही मैत्रीबाग में करीब साल भर पूर्व लाए गए एक नर मगरमच्छ को उसका साथी मिल गया है।

मैत्रीबाग में वन्यप्राणी विनिमय के तहत एक मगरमच्छ लाया गया। इसके साथ ही भिलाई से बिलासपुर के कानन पेंडारी जू को शेष बचे 10 सांभर भेजे गए।यह मगरमच्छ कानन पेंडारी जू, बिलासपुर से वहाँ के वन्य प्राणी पशु विशेषज्ञ व जू अधिकारी डां. चन्दन एवं उनकी टीम के नेतृत्व में मैत्री बाग लाया गया। इसके बाद वन्यजीव विशेषज्ञ, मैत्री बाग प्रभारी एवं महाप्रबंधक डां. एनके जैन व उनकी टीम ने मगरमच्छ को उसके बाड़े में सुरक्षित रूप से छोड़ा गया। कार्यकारी मुख्य महाप्रबंधक एबी श्रीनिवास, डीजीएमआर. गर्ग, वरिष्ठ प्रबंधक मृदुल गुप्ता, शंकर अग्रवाल, योगेश चन्द्राकर, ललित यादव उपस्थित थे उपस्थित रहे

मगरमच्छ युवा और 8 फीट से ज्यादा लंबा है

मैत्रीबाग में लाया गया मगरमच्छ युवा है और इसकी लंबाई 8 फीट है । यह साल्ट/फ्रेश वाटर प्रजाति का है, जो आमतौर पर पानी में रहना पसंद करते हैं तथा ठंड के मौसम में पानी से बाहर आकर धूप सेंकते हैं। कभी कभी यह मगरमच्छ 3 से 4 घंटे तक लगातार धूप में रह सकते हैं। साल्ट/फ्रेश वाटर क्रोकोडाइल मस्क क्रोकोडाइल की तुलना में अधिक लंबा और वजनी होता है। इनकी औसत आयु 40 से 50 वर्ष होती है। इसके पूर्व एक युवा नर मगरमच्छ और चार बार्किंग डियर पहले ही मैत्री बाग लाए जा चुके है। 20 सांभर के बदले बिलासपुर से प्राप्त होने वाले सभी वन्यजीव अब मैत्रीबाग आ चुके हैं।

चालीस साल बाद साहित्यकार होकर लौटीं जयंती रंगनाथन ने साझा किये अनुभव

भिलाई। देश की जानीमानी पत्रकार-संपादक और ख्यातिप्राप्त लेखिका जयंती रंगनाथन का बुधवार को कल्याण स्नातकोत्तर महाविद्यालय भिलाई में रोचक व्याख्यान हुआ। महाविद्यालय की 1983 में वाणिज्य विभाग की विद्यार्थी रहीं रंगनाथन ने कहानी शैली में अनेक रोचक अनुभव प्रस्तुत किए। उनके साथ हिंदी की युवा लेखिका मधु चतुर्वेदी भी थीं। भिलाई की निवासी रहीं और भारत की मीडिया स्टार तथा टाइम्स ऑफ इंडिया, अमर उजाला, वनिता, नंदन जैसी पत्रिकाओं की संपादक रह चुकीं जयंती रंगनाथन का इस अवसर पर वाणिज्य विभाग और हिंदी पत्रकारिता विभाग की ओर से सम्मान भी किया गया। तमिल भाषी परिवार से होने के बावजूद हिंदी की सेवा करने वाली जयंती रंगनाथन बचपन से कहानी लिख रही हैं। महाविद्यालय के प्राध्यापक डॉ सलीम अकील और डॉ सुधीर शर्मा ने स्वागत भाषण दिया। महाविद्यालय की महिला प्राध्यापक डॉ मणिमेखला शुक्ला, डॉ फिरोजा जाफर अली, डॉ शबाना आदि ने राजकीय गमछे से उनका अभिनंदन किया। संचालन करते हुए डॉ अंजन कुमार ने उनका विस्तृत परिचय दिया। जयंती रंगनाथन ने कहा कि धर्मयुग साप्ताहिक से उन्होंने पत्रकारिता की शुरुआत की और धर्मवीर भारती का आशीर्वाद मिला। उन्होंने कहा कि प्रिंट मीडिया में काम करने का सुख अलग ही है।

साइंस कॉलेज में राष्ट्रीय सेवा योजना दिवस पर सांस्कृतिक कार्यक्रम

कार्नर न्यूज

दुर्ग। शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय दुर्ग की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा राष्ट्रीय सेवा योजना स्थापना दिवस बड़े उत्साह और गरिमा के साथ मनाया गया। कार्यक्रम के अध्यक्षीय उद्बोधन में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अजय कुमार सिंह ने सेवापरमो धर्मः और तुलसीदास जी के दोहे पर हित सरिस धर्म नहीं भाई, परपीड़ा सम नहीं आध माई" का उल्लेख करते हुए सेवा भावना को सर्वोपरि बताया। उन्होंने एन.एस.एस. की ऐतिहासिक यात्रा, उसके बहुआयामी योगदानों तथा युवाओं की समाजसेवा में भूमिका पर प्रकाश डाला। स्वागत उद्बोधन में कार्यक्रम अधिकारी डॉ. मीना मान ने एन.एस.एस. के इतिहास, उद्देश्यों और उपलब्धियों की विस्तृत जानकारी दी। इस अवसर पर महाविद्यालय के पूर्व स्वयं सेवक मोरध्वज साहू, दिलेश्वर साहू, मानसी यदु, मनीष बंजारे, नोमिता, आंचल, गुलशन, पंकज, प्रकाशमणि, कमलेश एवं खुशबू ने अपने अनुभव साझा किए।

सुवा, पंथी नृत्य, राउत नाचा एवं भरथरी जैसे लोकगीत एवं लोकनाट्य का मंचन

सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति

स्थापना दिवस पर छत्तीसगढ़ राज्य रजत जयंती की थीम पर सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ भी दी गईं। इसमें सुवा नृत्य, पंथी नृत्य, राउत नाचा एवं भरथरी जैसे लोकगीत एवं लोकनाट्य ने सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. अनिल मिश्रा, डॉ. अभिनेष सुराना, डॉ. ज्योति धारकर, डॉ. मर्सी जॉर्ज, डॉ. निगार अहमद, डॉ. रचिता श्रीवास्तव, डॉ. सीमा पंजवानी, डॉ. सतीश सेन, डॉ. श्रीराम कुंजाम एवं प्रो. मोतीराम साहू विशेष रूप से उपस्थित थे। कार्यक्रम अधिकारी तरुण कुमार साहू ने धन्यवाद ज्ञापित किया। सह कार्यक्रम अधिकारियों सुदेश कुमार साहू, निखिल देशलहरा, कुंदन जांगडे, सोमेंद्र कुमार, राधिका साहू एवं गोपाल साहू का विशेष सहयोग रहा। कार्यक्रम का संचालन स्वयं सेवक चंदन, पोखराज एवं माही ने किया।

सिटी इवेंट

अमेरिका में जैन समुदाय सहेज रहा अपनी संस्कृति, मनाया दस लक्षण महापर्व

भिलाई। सुदूर अमेरिका में बसा भारतीय जैन समुदाय अपनी धार्मिक परंपराओं और संस्कृति को संरक्षित रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। इनमें दुर्ग-भिलाई और छत्तीसगढ़ के विभिन्न क्षेत्रों से जाकर अमेरिका में बसे जैन समुदाय के लोग भी शामिल है। इसी कड़ी में ग्रेटर सेंट लुइस जैन सेंटर जेसीएसटीएल ने महात्मा गांधी सेंटर ऑडिटोरियम हॉल में दस लक्षण महापर्व का भव्य आयोजन किया। इसमें लगभग 80 लोगों ने भाग लिया और भक्ति, ज्ञान व संस्कृति से परिपूर्ण गतिविधियों में शामिल हुए।

कार्यक्रम की शुरुआत मंगलाचरण से हुई। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण बच्चों और युवाओं के प्रस्तुत किए 10 सांस्कृतिक नृत्य और नाटक रहे। इसमें लगभग 20 बच्चों ने भाग लिया। जिसमें सबसे छोटा कलाकार केवल दो साल का था। इस दौरान एक अनोखी पोस्टर प्रतियोगिता भी आयोजित की गई, जिसमें परिवारों ने जैन शिक्षाओं पर आधारित पांच पोस्टर बनाए। हर बच्चे ने अपने माता-पिता के साथ अपना पोस्टर प्रस्तुत किया, जिससे जैन मूल्यों की समझ बढ़ी। बच्चों को और अधिक शामिल करने के लिए, 20 प्रश्नों की एक क्विज़ और पोस्टर में उत्तर खोजने का एक खेल आयोजित किया गया। शाम में नवरात्रि की भावना में तीन बार गरबा और रास नृत्य हुए, जिसके बाद समुदाय के सदस्यों द्वारा तैयार किया गया जैन भोजन परोसा गया। इस कार्यक्रम को समर्पित स्वयंसेवकों रीना और नितिन जैन, प्रियंका और पंकज जैन, अंशु और मयंक जैन, साध्वी और अमित जैन, सोमिल और श्रेया जैन, शिखा और राकेश जैन, विपिन जैन, सनी जैन, स्नेहल जैन, पायल और आकाश जैन, पूनम और पराग जैन के योगदान से संभव हुआ। भिलाई निवासी अंशु और मयंक जैन ने बताया कि जेसीएसटीएल संयुक्त राज्य अमेरिका में 70 से अधिक जैन सेंटरों के नेटवर्क का हिस्सा है। मयंक ने बताया कि यहां सेंट लुइस में जैन समुदाय के 225 लोग निवासरत हैं, जिसमें 60 लोग हिंदी में पूजा करते हैं, वहीं बाकी गुजराती को प्राथमिकता देते हैं। उन्होंने बताया कि केंद्र ने अगली पीढ़ी के लिए सांस्कृतिक और आध्यात्मिक शिक्षा को मजबूत करने के लिए हाल ही में हिंदी भाषा में कार्यक्रम शुरू किया है।

एजुकेशन लाइव

आदिवासी युवा भारत की संस्कृति से होंगे रूबरू, जत्था रवाना

भिलाई। 17 वां आदिवासी युवा आदान-प्रदान कार्यक्रम के तहत कांकेर एवं नारायणपुर छत्तीसगढ़ के अति दुर्गम एवं नक्सल प्रभावित क्षेत्रों से 20 आदिवासी युवा लड़के एवं 20 युवा लड़कियों के पहले जत्थे को रायपुर रेलवे स्टेशन से लखनऊ के लिए रवाना किया गया। सीमा सुरक्षा बल के 02 पुरूष सुरक्षा अधिकारी और 02 महिला सुरक्षा अधिकारी भी इनके साथ रवाना हुए। ये जत्था भारत के विभिन्न राज्यों के अन्य आदिवासी युवाओं से मिलकर अन्य राज्यों की संस्कृति से रूबरू होगा। इस कार्यक्रम के अंतर्गत आदिवासी युवक एवं युवतियों को उनके उज्ज्वल भविष्य तथा अधिकारों के बारे में उचित व उपयुक्त जानकारी प्रदान की जायेगी। साथ ही साथ अन्य राज्यों से भाग लेने वाले युवक-युवतियों के बीच मेल-मिलाप बढ़ेगा, जिससे वे एक-दूसरे के खान-पान, रहन-सहन, सांस्कृतिक गतिविधियां एवं वेषभूषा से रूबरू होंगे। इस कार्यक्रम में सभी राज्यों के स्थानीय लोक कार्यक्रम की प्रस्तुति दी जायेगी। प्रत्येक आदिवासी युवा आदान-प्रदान कार्यक्रम की अवधि 07 दिन है। छत्तीसगढ के कांकेर और नारायणपुर जिले में तैनात सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के नक्सल प्रभावित इलाके से इस वर्ष कुल 25 भ्रमण कार्यक्रमों के अतंर्गत 18 से 22 वर्ष आयु वर्ग के 650 चयनित युवा भाग ले रहे हैं।

स्पोर्ट्स इवेंट

बैडमिंटन, टेबल टेनिस, कैरम, शतरंज खेल और देशभक्ति गीतों की प्रतियोगिता के विजेता पुरस्कृत

दुर्ग। कामधेनु विश्वविद्यालय अंजोरा में तीन दिवसीय खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। कुलपति डॉ आरआरबी सिंह के मार्गदर्शन एवं अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ. मंजु रॉय के निर्देशन में बैडमिंटन, टेबल टेनिस, कैरम एवं शतरंज का आयोजन किया गया। इसी प्रकार एक दिवसीय देशभक्ति एवं पुराने गीत प्रतियोगिता भी हुई। कुलपति डॉ. सिंह ने खेल से होने वाले शारीरिक एवं मानसिक विकास की बात पर प्रकाश डाला। साथ ही उन्होंने कहा कि शरीर को स्वस्थ रखने के लिए खेल आवश्यक है। खेल से व्यक्ति में अनुशासन, साहस, खेल भावना, सहनशीलता एवं व्यक्तित्व का विकास होता है। डॉ. मंजू रॉय ने प्रतिभागियों को खेल भावना एवं मैत्री भाव से खेलने के लिए प्रेरित किया। कुलसचिव डॉ. बीपी राठिया, डॉ. एस. शाक्य, डॉ. एमके गेंदले, डॉ. जीके दत्ता, डॉ. दिलीप चौधरी सहित अन्य उपस्थित थे। संचालन क्रीड़ा अधिकारी एबीएस दीवान ने किया। टेबल टेनिस प्रतियोगिता में डॉ. राजू शारदा प्रथम, देबाशिष मजूमदार द्वितीय, डॉ. प्रवीण रात्रे तृतीय, कैरम में डॉ. रोशन लाल साहू, अर्चना खोब्रागढ़े प्रथम, डॉ. नवीन कुमार साहू, आरती रानी अग्रवाल द्वितीय, डॉ. प्रवीण कुमार तिर्की, डॉ. क्रांति शर्मा तृतीय, शतरंज में अविनाश तिवारी, अर्चना खोब्रागढ़े प्रथम, करण वैष्णव, सरस्वती सिन्हा द्वितीय, डॉ. उमेश कुमार पटेल, सरिता शर्मा - तृतीय एवं बैडमिंटन में देवेश प्रधान, डॉ. श्रद्धा नेटी प्रथम, डॉ.रोशन लाल साहू, अर्चना खोब्रागढ़े द्वितीय, डॉ. नवीन कुमार साहू, सरस्वती सिन्हा तृतीय स्थान पर रहे।

● जिला पंचायत अध्यक्ष सरस्वती बंजारे के नेतृत्व में दुर्गा मंदिर जामुल से जत्था हुआ रवाना

एक हजार महिलाएं पैदल चल पड़ीं बेटी बचाओ बेटी बढ़ाओ और महिला सशक्तिकरण का संदेश लेकर माता दर्शन को

दुर्ग। प्रदेश में संभवतः पहली बार एक हजार से ज्यादा महिलाओं का जत्था माता बम्लेश्वरी दर्शन को एक साथ पैदल निकला है। बुधवार की सुबह करीब साढ़े 11 बजे यह जत्था दुर्गा जामुल से यात्रा के लिए रवाना हुआ। मंदिर में विधि-विधान से पूजा-अर्चना के बाद जिला पंचायत अध्यक्ष सरस्वती बंजारे के नेतृत्व में यह जत्था दर्शन को निकला है। सरस्वती बंजारे ने बताया कि बेटी बचाओ बेटी बढ़ाओ, महिला सशक्तिकरण और सनातन संस्कृति को आगे बढ़ाने के उद्देश्य से प्रदेश में पहली बार इस प्रकार की पहल की गई है। भरी बारिश के बीच भीगते हुए महिलाओं का जत्था पैदल यात्रा कर रहा है। बुधवार को जत्थे में अहिवारा विधायक डोमनलाल कोर्सेवाड़ा, वैशालीनगर विधायक रिकेश सेन, जिला अध्यक्ष पुरषोत्तम देवांगन, सुरेंद्र कौशिक सहित अन्य प्रमुख रूप से शामिल हुए। जत्था कैलाश नगर, हाउसिंग बोर्ड, रामनगर, घड़ी चौक, वाईशेप ओवर ब्रिज, पटेल चौक, पुलगांव चौक होते हुए अंजोरा पहुंचा, जहां रात्रि विश्राम के लिए ठहराव दिया गया। आस्था और संकल्प को लेकर यह पदयात्रा शुरू की गई है। डोंगरगढ़ तक 100 किलोमीटर की यात्रा महज तीन दिनों में तय करनी है। दूसरे दिन यानी 25 सितंबर को यह यात्रा सुकुल दैहान राजनांदगांव होते हुए आगे बढ़ेगी। अंतिम दिन 26 सितंबर को मुढ़ीपार होते हुए माता अंबे के दरबार डोंगरगढ़ पहुंचेगी, जहां से पैदल सीढ़ियों के रास्ते मां बम्लेश्वरी के दर्शन करेंगे। बुधवार को शाम को तेज बारिश के बीच भी यह यात्रा जारी रही। सरस्वती बंजारे सहित अन्य महिलाओं ने भीगते हुए यात्रा को जारी रखा। माता का जयकारा लगाते हुए यात्रा आगे बढ़ते गई। इस दौरान जगह-जगह जत्थे का स्वागत किया गया। चाय-नाश्ते से लेकर अन्य इंतजाम किए गए।

धार्मिक आस्था के साथ अटूट विश्वास का पर्व नवरात्र

त्याग, तपस्या और व्रत का महापर्व शारदीय नवरात्रि के अवसर पर श्रद्धालुओं का जत्था मनोकामना ध्वज लेकर देवी मंदिर के लिए रवाना हुआ है। पदयात्रियों का कहना है कि शक्ति की आराधना का यह पर्व में धार्मिक आस्था के साथ सच्ची लगन से काम करने का संदेश मिलता है। इसी वजह श्रद्धालुओं की मनोकामना पूरी होने के बाद धूमधाम और हर्षोल्लास से ध्वज भेंट किया जाता है। मनोकामना लेकर हम सभी आगे बढ़ रहे हैं। उम्मीद है कि 26 सितंबर की शाम तक जत्था डोंगरगढ़ पहुंचेगा। इसके बाद विश्राम के साथ माता दर्शन के लिए सीढ़ियां चढ़ेंगे। पूरे समय माता का जयकारा भी लगाया जा रहा है। माता ने हमें बुलाया है, हम माता दर्शन को जा रहे हैं। जिला पंचायत अध्यक्ष ने जो सराहनीय प्रयास किया है, उसकी जितनी प्रशंसा की जाए कम है।

मनोकामना ध्वज चढ़ाने की यह अनोखी मिसाल

पदयात्रियों का जत्था के लिए जगह-जगह स्वास्थ्य, पेयजल और सुरक्षा जैसे सभी इंतजाम किए गए। शहर के गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति में 100 किलोमीटर की पदयात्रा करने वाले इस जत्थे के सभी सदस्यों को मनोकामना ध्वज भेंट कर उनका उत्साह वर्धन किया गया। इस दौरान प्रमुख बीजेपी और हिंदू संगठन के लोगों ने जत्थे का स्वागत किया। काफी बड़ी संख्या में शहर के नागरिक उपस्थित थे। सरस्वती बंजारे ने कहा कि नवरात्रि का पर्व सबसे पावन पर्व माना गया है। माता की आराधना से हर मनोकाम की प्राप्ति होती है। सालों से भक्त पैदल माता बम्लेश्वरी के दर्शन को डोंगरगढ़ पहुंचते हैं। इस बार हमने एक प्रयास शुरू किया है। श्रद्धालुओं के बड़े जत्थे में छोटे बच्चे, महिलाएं और बुजुर्गों की काफी बड़ी संख्या है। मनोकामना ध्वज लेकर निकले इन श्रद्धालुओं के लिए यहां के समाज सेवियों ने पूरे रास्ते में जगह जगह सेवा पंडाल आयोजित कर रहे हैं।

परमेश्वरी मंदिर में 184 ज्योत प्रज्ज्वलित

भगवान श्रीकृष्ण की कथा श्रवण, सत्संग एवं भक्ति ही कलियुग में मुक्ति का मार्ग है : आचार्य नीलेश

भिलाई। प्रगति नगर रिसाली स्थित परमेश्वरी मंदिर में क्वांर नवरात्रि के अवसर पर 184 मनोकामना ज्योति प्रज्ज्वलित किए गए। नवरात्रि के प्रथम दिन अभिजीत मुहूर्त में माता परमेश्वरी की विधिवत पूजा अर्चना कर ज्योति कलश की स्थापना की गई। देवांगन जन कल्याण समिति के अध्यक्ष घनश्याम कुमार देवांगन एवं उनकी पत्नी सुमन देवांगन ने मुख्य यजमान के रूप में पूजा की। परमेश्वरी मंदिर में पूजा, आरती के पश्चात माता सेवा जस गीत प्रस्तुत किया गया। नोहर सिंह देवांगन के द्वारा परमेश्वरी मंदिर में 9 लाख रुपए के दान से निर्मित ज्योति कक्ष का लोकार्पण भी किया गया। अपराह्न 3 बजे से व्यास पीठ आचार्य डॉ. नीलेश शर्मा ने श्रीमद्भागवत कथा की शुरुआत की। उन्होंने भागवत की महिमा बताते हुए कहा कि भागवत कथा कराने से पुरखों को मुक्ति मिलती है। उन्होंने ब्रम्हा जी के चार पुत्रों सनक, सनन्दन, सनातन और सनत्कुमार तथा गौकरण एवं धुंधकारी की कथा रोचक ढंग से सुनाते हुए श्रीमद्भागवत कथा श्रवण एवं सत्संग का लाभ बताया। उन्होंने सूतजी एवं शौनक ऋषि संवाद का वर्णन करते हुए कहा कि भगवान श्रीकृष्ण की कथा श्रवण, सत्संग एवं भक्ति ही कलियुग में मुक्ति का मार्ग है। आरंभ में प्रातः वेदी पूजन के पश्चात कलश यात्रा निकाली गई, जिसमें महिलाओं ने बड़ी संख्या में भाग लिया। प्रतिदिन 3 बजे से भागवत कथा, संध्या 6.30 बजे आरती, माता सेवा, जसगीत, संध्या 7.30 बजे से गरबा का आयोजन होगा। संध्या आरती के बाद रोज विशेष भोग प्रसाद वितरित किया जाता है। पंचमी 27 सितंबर को सामूहिक महाआरती का आयोजन होगा, जिसमें महिलाएं अपने घरों से लिए आरती की थाल से आरती करेंगी। नवमी तिथि 1 अक्टूबर को प्रातः 10.30 बजे से पूजा, हवन एवं जोत जवांरा विसर्जन के पश्चात सामूहिक भोग भंडारा का आयोजन किया जाएगा।

इनोवेशन एंड टेक्नोलॉजी फाउंडेशन का गठन

नई तकनीकों से परिचित होंगे स्टूडेंट्स आईआईटी भिलाई से शेयर करेंगे नवाचार

भिलाई। शंकराचार्य प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी द्वारा आईआईटी भिलाई के साथ मिलकर तकनीकी, कृषि, स्वास्थ्य के क्षेत्र में संयुक्त रूप से कार्य करने एमओयू में हस्ताक्षर किए। आईआईटी भिलाई की इनोवेशन एंड टेक्नोलॉजी फाउंडेशन के साथ आज अधिकारियों ने अनुबंध किया। विश्वविद्यालय की कुलसचिव डॉ स्मिता सिलेट ने जानकारी देते हुए बताया कि डिपार्टमेंट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी, भारत सरकार के द्वारा नेशनल मिशन फॉर इंटरडिसिपलिनरी साइबर फिजिकल सिस्टम के अंतर्गत आईआईटी भिलाई को नोडल सेंटर बनाया गया है, जिसमें टेक्नोलॉजी इनोएशन हब के माध्यम से तकनीकी, कृषि, स्वास्थ्य के क्षेत्र में नवाचार और विकास के कार्य सतत रूप से किए जाएंगे। इन्हीं उद्देश्यों को लेकर इनोवेशन एंड टेक्नोलॉजी फाउंडेशन का गठन किया गया है। आईआईटी के फाउंडेशन और यूनिवर्सिटी के संयुक्त तत्वावधान में इंटरप्रेन्योरशिप, शोध परियोजनाओं, स्किल डेवलपमेंट और शैक्षणिक गुणवत्ता के कार्य किए जाएंगे जिससे विधार्थियों, शिक्षकों को लाभ मिलेगा। कुलाधिपति आईपी मिश्रा ने कहा कि आज का समय कौशल विकास और इंटरप्रेनरशिप का है। हमारी शिक्षा कौशल पूर्ण और रोजगारोपयोगी हो। उन्होंने आईआईटी के साथ एमओयू से विधार्थियों को अपना हुनर और ज्ञान दिखाने का अवसर मिलेगा। प्रोत्साहन से विधार्थियों में आगे बढ़ने की ललक बढ़ती है। प्रेसिडेंट डॉ जया मिश्रा ने इस अवसर पर कहा कि विश्वविद्यालय द्वारा आईआईटी भिलाई के साथ मिलकर शैक्षणिक उन्नयन, शोध कार्य और नवाचार के साथ विधार्थियों, शिक्षकों के विकास के लिए विभिन्न प्रोजेक्ट, वर्कशॉप, सेमिनार, स्टार्टअप, पेटेंट के लिए भी कार्य होगा। नालेज एक्सचेंज प्रोग्राम खेल गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलेगा। इस अनुबंध से विधार्थियों के संपूर्ण व्यक्तित्व विकास के साथ अंचल में अंतरराष्ट्रीय शोध कार्य को बढ़ावा मिलेगा। इस अवसर पर सीईओ डॉ प्रशांत माथुर, सीटीओ डॉ. विष्णु वैभव द्विवेदी, प्रोजेक्ट असिस्टेंट डॉ. प्रीति तिवारी उपस्थित थे।

शंकराचार्य प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी और आईआईटी भिलाई ने किए एमओयू में हस्ताक्षर

ब्रह्मकुमारी के बघेरा स्थित आनंद सरोवर में नशा मुक्त युवा विकसित भारत का आयोजन

अपने आचरण व व्यवहार से चार लोगों को नशा व निगेटिविटी से दूर करना हमारी शिक्षा की सार्थकता

कार्नर न्यूज

दुर्ग। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय के बघेरा स्थित आनंद सरोवर में देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्म दिवस पर एक विशेष युवा समिट नशा मुक्त युवा-विकसित भारत का आयोजन किया गया। इस अवसर पर रुंगटा कॉलेज में अध्यनरत प्रदेश के विभिन्न स्थानों से आए हुए युवा छात्र-छात्राओं ने हिस्सा लिया। बतौर मुख्य अतिथि भूपेंद्र कुलदीप कुलसचिव हेमचंद विश्वविद्यालय दुर्ग, आरएल ठाकुर संयुक्त संचालक शिक्षा विभाग दुर्ग, डॉ. दीपक कोठारी सर्जन दुर्ग, डॉ.सत्यधर्म भारती प्रोफेसर रुंगटा कॉलेज दुर्ग ,ब्रह्माकुमारी रीटा दीदी, रूपाली दीदी, चैतन्य प्रभा दीदी प्रमुख रूप से शामिल हुए। रूपाली दीदी ने आयोजन के विषय में जानकारी देते हुए बताया कि प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरी विश्व विद्यालय विगत 90 वर्षों से पूरे भारत के और साथ ही साथ विश्व के 147 देश में अपने विभिन्न शाखाओं के माध्यम से कार्यरत है। आज का यह आयोजन संस्था के युवा प्रभाव के द्वारा आयोजित किया गया है।

सशक्त राष्ट्र के निर्माण के लिए सामूहिक प्रयास जरूरी

भूपेंद्र कुलदीप ने बताया कि सशक्त राष्ट्र का निर्माण कैसे होगा, यदि आप असफल होना जिंदगी में नहीं सीखेंगे। प्राथमिक शिक्षा से पहले यह शिक्षा आवश्यक है। यदि आपका मन स्वस्थ है तो आपको तनाव कभी भी नहीं होगा मन स्वस्थ रखने के लिए क्या किया जाए मन को स्वस्थ रखने के लिए आप सकारात्मक बदलाव अपने जीवन में लाइए चाहे वह ईश्वर की साधना करें सकारात्मक लोगों की संगति करें सकारात्मक विचारों से घिरे रहे यह बहुत महत्वपूर्ण है। आरएल ठाकुर ने कहा कि अपने आचरण व व्यवहार से दो-चार लोगों को नशा व नकारात्मकता से मुक्त करते हैं यही हमारी शिक्षा की सार्थकता है। व्यसन व नकारात्मकता से मुक्त होने के लिए दृढ़ संकल्प की आवश्यकता है। संकल्प होगा तो विकल्प नहीं होगा। कहीं विकल्प बना तो श्रेष्ठ संकल्प मार्ग में बढ़ाओ ठान लिया तो सब कुछ संभव है युवाओं में इतनी शक्ति इतनी ऊर्जा है।

दृढ़ संकल्प से नकारात्मक सोच हो सकती है समाप्त

डॉ. सत्यधर्म भारती ने कहा कि आज की यह जो अभूतपूर्व ऊर्जा है। दृढ़ संकल्प करें और आज ही उसको छोड़ने का यकीन मानिए आपका जीवन रूपांतरित हो जाएगा एक उज्ज्वल भविष्य आपकी प्रतीक्षा में है। कल्पना कीजिए एक तरफ कमजोर दुर्बल पंगु युवा पुरुष हम एक तरफ कल्पना करिए सशक्त चैतन्य ऊर्जा से परिपूर्ण युवा आप किसे चुनेंगे जाहिर है, आपके मन में भी लालसा होगी। एक सशक्त युवा की जो संकल्प लेना चाहे मन में एक दृढ़ संकल्प कीजिए और जो भी व्यसन है उसको आज से ही विराम दीजिए। डॉ. दीपक कोठारी ने कहा कि तनाव दूर करने का उपाय सिर्फ व्यसन करना नहीं है, मेडिटेशन कीजिए, सकारात्मक लोगों का साथ लिजिए। आप लोग को भी सुनने में आता होगा कि डॉक्टर पार्टी में बहुत ड्रिंक करते हैं पर मैं नहीं पीता तो मुझे प्रेशर था उस चीज की यार दोस्तों की अब जब मैं कॉन्फ्रेंस में जाता हूं या कोई भी हमारी सोशल मीटिंग में जाता हूं तो आज सारे डॉक्टर अब मुझे यह बोलते हैं कि अच्छा है कि आप नहीं करते 10 वर्ष प्रैक्टिस के बाद यह चीज अब मैं सुन रहा हूं पर एक मानसिक संतुष्टि तो हो रही है। चैतन्य प्रभा दीदी ने कहा कि पल भर की सुकून, चैन पाने के लिए की गई छोटी सी गलती उम्र भर की सजा बन जाती है तो जरूरी है कि समय रहते इस नशे से स्वयं को भी मुक्त रखना और अपने साथ सभी मित्र संबंधियों को भी इससे मुक्त रखना और जागरूक करना और इसी उद्देश्य को लेकर के यह कार्यक्रम पूरे भारत में ब्रह्मकुमारी के द्वारा चलाया जा रहा है।

सिटी स्पोर्ट्स

जिला जूनियर वेटलिफ्टिंग चयन 29 को

रायपुर। रायपुर जिला जूनियर वेटलिफ्टिंग पुरुष/महिला टीम की चयन प्रतियोगिता 29 सितंबर को जय सतनाम व्यायाम शाला गुढ़ियारी रायपुर में आयोजित है। जिसमें 11 से 13 अक्टूबर तक बलौदा बाज़ार में होने वाली 23 वीं जूनियर पुरुष/महिला राज्य स्तरीय वेटलिफ्टिंग चैंपियनशिप में भाग लेने रायपुर जिला की टीम का गठन किया जाएगा। रायपुर जिला भारोत्तोलन संघ अध्यक्ष राधेश्याम साहू ने यह जानकारी देते हुए बताया कि इस प्रतियोगिता में भाग लेने वाले प्रतिभागियो की जन्म तिथि 1 जनवरी 2010 से 31 दिसंबर 2005 तक होना चाहिए। चयन प्रतियोगिता में केवल रायपुर जिला के खिलाड़ी ही भाग ले सकेंगे अन्य जिला के खिलाड़ियो को चयन प्रतियोगिता में सम्मिलित होने के लिए अपने संबंधित जिला से अनापत्ति प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना अनिवार्य है।

राज्य रैंकिंग टेटे में अर्जुन समाया और राजदीप विजेता

रायपुर। छत्तीसगढ़ टेबल टेनिस संघ के तत्वावधान में कोंडागांव जिला टेबल टेनिस संघ की ओर से 19 से 21 सितंबर तक पी एम श्री केंद्रीय विद्यालय, कोंडागांव में द्वितीय छत्तीसगढ़ राज्य रैंकिंग टेबल टेनिस प्रतियोगिता -2025 हुयी। जिसमें अंतिम दिन सीनियर पुरुष एकल वर्ग तथा जूनियर (अंडर-17) एवं कैडेट (अंडर-13) बालक एवं बालिका एकल वर्ग संपन्न हुयी। सीनियर पुरुष एकल वर्ग तथा जूनियर (अंडर -17) एवं कैडेट (अंडर -13) बालक एवं बालिका एकल वर्ग प्रतियोगिता के समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह के मुख्य अतिथि विधायक कोंडागांव एवं भाजपा की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष लता उसेंडी थी। कार्यक्रम की अध्यक्षता कोंडागांव जिला टेबल टेनिस संघ के अध्यक्ष आर.के. जैन ने की। प्रतियोगिता में खेले गये फायनल मैच में सीनियर पुरुष वर्ग में विजेता अर्जुन मल्होत्रा (रायपुर), उपविजेता राजीव साहू (रायपुर) 4-1 यूथ अंडर -17 (जूनियर) एकल बालक वर्ग-विजेता - अर्जुन मल्होत्रा (रायपुर), उपविजेता - दीक्षांत जांगड़े (बिलासपुर) 3-2 यूथ अंडर -17 (जूनियर) एकल बालिका वर्ग विजेता - समाया पांडे (रायपुर), उपविजेता - सिया मेघानी (बिलासपुर) 3-1 यूथ अंडर-13 (कैडेट) एकल बालक वर्ग-विजेता - राजदीप गांगुली (बिलासपुर), उपविजेता- शिखर बागड़े (दुर्ग) 3-0 यूथ अंडर-13 (कैडेट) एकल बालिका वर्ग विजेता -समाया पांडे (रायपुर), उपविजेता - अक्षिता बीनू (बिलासपुर) 3-0 रहे। प्रतियोगिता के मुख्य निर्णायक प्रदीप जोशी तथा सहायक मुख्य निर्णायक अजीत बेनर्जी एवं पी.एन. मजूमदार थे। उपरोक्त जानकारी छत्तीसगढ़ टेबल टेनिस संघ के उपाध्यक्ष विनय बैसवाड़े ने दी।

नेशनल एथलेटिक चैंपियनशिप में हिस्सा लेगी छत्तीसगढ़ टीम

रायपुर। रांची झारखंड स्थित बिरसा मुंडा एथलेटिक स्टेडियम में 64 वीं ओपन नेशनल एथलेटिक चैंपियनशिप का आयोजन 27 से 30 सितंबर तक किया जा रहा है। जिसमें छत्तीसगढ़ की एथलेटिक्स टीम भी हिस्सा लेगी। टीम में उभरते हुए बेहतरीन एथलीट खिलाड़ी है। जिसमे महिला खिलाड़ी थोटा संकीर्तना 800 मीटर दौड़ में बेहतरीन प्रदर्शन करने के लिए तैयार है।100 मीटर दौड़ में बलवर्धक, 200 मीटर दौड़ में शेखर तोमर पीछे प्रतियोगिताओं में बेहतरीन प्रदर्शन कर चुके हैं। मोहम्मद अनस तारिक गोला फेक में बेहतरीन प्रदर्शन करेंगे। तार्निका टेटा एक उभरती हुई लंबी कूद की बेहतरीन एथलीट है जिनके बेहतरीन प्रदर्शन की काफी उम्मीद है। इस टीम के प्रशिक्षक अशोक कुमार पटेल और प्रबंधक आंचल भगत है। टीम के चयनकर्ता में रवि शंकर धनगर रायपुर, डॉक्टर मेजर सिंह दुर्ग, गुरमीत अटवाल बिलासपुर और अरुण कुमार पाल बेमेतरा है।

बढ़ जाएंगी स्वास्थ्य समस्याएं अगर वक्त रहते नहीं संभले तो

बच्चों की सेहत को लेकर रहें हमेशा सतर्क दिख जाएं लक्षण तो तुरंत सलाह लें डॉक्टर की

कब्ज की समस्या सबसे ज्यादा बच्चों को होती है, क्योंकि वे अक्सर पोषण से भरपूर आहार से दूर भागते हैं और बाहर की चीजों का ज्यादा सेवन करते हैं। अक्सर लोगों को लगता है कब्ज बड़ों की बीमारी है लेकिन ऐसा है नहीं, छोटे बच्चों का जब पेट साफ नहीं होता, आंतों में खाना चिपक जाता है और पेट फूलने भी लगता है, तब उसे कब्ज की दिक्कत होती है। इसके पीछे कोई उम्र या एक कारण नहीं है।

पेट या लिवर की समस्या, पानी कम पीना, अस्वस्थ भोजन करना, तली हुई चीजों का सेवन या फिर मैदा या जंक फूड पेट में जल्दी हजम नहीं हो पाते। ऐसे में वे अंदर की गंदगी बनकर जमा होने लगते हैं और फिर स्टूल पास करने में दिक्कत होती है। कई बच्चों की पाचन शक्ति बचपन से ही कमजोर होती है, इस वजह से भी यह परेशानी आती है। इसके अलावा कई और कारण भी इसमें शामिल हो सकते हैं, आजकल बच्चों को पढ़ाई का स्ट्रेस बहुत ज्यादा है, ऐसे में बाहर खेल कूद और एक्सरसाइज करने का वक्त नहीं मिलता और यह बीमारी पनपने लगती है। इसमें पेट में दर्द, पेट टाइट रहता है। स्टूल पास नहीं होता। सिर में दर्द, बदहजमी, पैरों में दर्द और पेट में गैस या एसिडिटी बनी रहती है।

उपाय भी जान लें

अगर आप बच्चे को रोजाना गुनगुने दूध में एक केला मिलाकर दें तो उसका पेट साफ रहेगा। इसके अलावा दूध में हल्दी या शहद डालकर बच्चे को पिलाया जाए तो भी उसका पेट साफ होगा और स्टूल भी आसानी से हो जाएगा। बच्चों को सुबह या फिर दोपहर के भोजन में एक कटोरी भरकर सलाद या फल जरूर खिलाएं। ओट्स, मिलेटस की रोटियां, सूप, ईसबगोल आदि खाद्य पदार्थों में भरपूर मात्रा में फाइबर होता है, इसलिए इनको बच्चों के आहार में अवश्य शामिल करें। आप रोजाना सुबह भीगी अंजीर या बादाम भी दूध में मिलाकर या फिर ऐसे ही बच्चे को दे सकती हैं। चाहें तो अंजीर को उबाल कर भी दे सकती हैं। इससे कब्ज में राहत मिलती है। जानकारों के अनुसार, बच्चों को रात में त्रिफला का चूर्ण पानी के साथ देने से भी उनका पेट साफ होता है और पाचन क्रिया दुरुस्त रहती है।

कुछ बातों का खास ख्याल

व्यायाम करने से पाचन में मदद मिलती है और बिना किसी दिक्कत के पेट आसानी से साफ होता है। बच्चे के लिए रोजाना कम से कम 30 मिनट तक कोई फिजिकल एक्टिविटी या एक्सरसाइज करना जरूरी है। आप वॉकिंग, खेलना, योग, दौड़ना, डांस या एरोबिक्स आदि करा सकती हैं। दूध या डेयरी प्रोडक्ट्स से बच्चे को थोड़ा दूर रखें। मैदा, बाहर की चीजें, तेल, पिज्जा बर्गर, ये सारी चीजें आंतों में चिपक जाती हैं, इसलिए बच्चे के आहार को इनसे मुक्त रखें। बच्चों को खाने में ज्यादा फैट न दें, विटामिन युक्त भोजन ही दें। अगर लंबे समय तक यह समस्या बनी रहती है तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें।

घी या तेल की मालिश

आयुर्वेद चिकित्सक डॉ. रमाकांत द्विवेदी कहते हैं, जिन बच्चों की जठराग्नि बचपन से ही मंद होती है, उनकी पाचन क्रिया धीमी होती है और मल त्याग करने में दिक्कत आती है। अगर ऐसा है तो इस में घी या तेल की मालिश बहुत ही कारगर है, पेट या नाभि

के आस-पास क्लॉक वाइज मालिश करने से आंतें खुलती हैं और स्टूल ढीला होता है, इसके अलावा गुनगुने पानी में नींबू और शहद मिलाकर पीने को दे सकती हैं और इसमें सिकाई भी बहुत काम आती है। कई बार बच्चे ज्यादा कुछ करना या खाना नहीं चाहते, ऐसे में पेरेंट्स को ही उसके उपाय करने होते हैं।

तनाव में नेगेटिव बातें सोचने से पहले अपनाएं ये स्टेप्स

वर्क स्ट्रेस के कारण क्या आपके भी मन में नेगेटिव ख्याल आता है? अगर हां तो किसी भी तरह के गलत कदम उठाने से पहले एक्सपर्ट के बताए इन बातों को जरूर फॉलो करें। इससे स्ट्रेस दूर करने में मदद मिलेगी

काम जरूरी है लेकिन काम के दौरान प्रेशर इनता बढ़ जाता है कि कई बार यह निराशा और अवसाद का कारण बन जाता है। यही डिप्रेशन मन में गलत विचारों को पैदा करता है और व्यक्ति आत्महत्या जैसी कदम उठाने लगता है। अभी हाल ही में खबर सामने आई है कि काम के दबाव के कारण एक लड़की ने मौत को गले लगा लिया। ऐसे में जरूरी है कि अगर किसी भी व्यक्ति को कम का दबाव महसूस हो तो वक्त रहते ही इसकी गंभीरता को समझा जाए,और इससे निपटने के लिए उपाय किए जाएं।

वैसे तो योग, प्राणायाम जैसी कई सारी क्रियाएं हैं जो मन को शान करती है, लेकिन जरूरी है कि वर्क स्ट्रेस के कारण को समझकर उनका निदान किया जाए। अगर आप भी वर्क स्ट्रेस से परेशान हैं और मन में गलत ख्याल आते हैं तो आपको एक्सपर्ट के बताएं कुछ टिप्स जानना चाहिए, जिससे आपकी टेंशन दूर होगी।

वर्क स्ट्रेस से दूर रहने के उपाय

एक्सपर्ट बताते हैं कि काम के साथ जिम्मेदारियां का

दबाव स्वाभाविक है, लेकिन ऐसा लगे कि वर्क स्ट्रेस के कारण आपके जीवन पर दुष्प्रभाव पड़ रहा है तो खुलकर बात करना जरूरी ह। एक बार अपने एचआर से अपनी चिंताओं को साझा कीजिए, हो सकता है कि उनके पास आपकी समस्या का कोई समाधान हो। आपका प्रयास आपकी ही तरह अन्य कई लोगों को भी उसे तरह की समस्या से बचा सकता है। हर व्यक्ति की काम करने की अपनी क्षमता और अपना तरीका होता है, इसलिए किसी अन्य के प्रदर्शन के कारण दबाव में ना आएं। किसी अन्य से आपके काम की तुलना नहीं की जा सकती। अगर आप खुद की तुलना करने की भावना से दूर रहें तो कई तरह के स्ट्रेस से खुद को दूर रख पाएंगे। ऐसे लोगों से दूर रहे जो अक्सर किसी की तुलना करते रहते हैं।

काम के चक्कर में अक्सर लोगों को घर से दूर रहना पड़ता है, जो की सबसे घातक है। जहां तक संभव हो अकेले रहने से बचें, सेटल हो जाएं तो अपने परिवार के ही सदस्य को अपने पास बुला सकते हैं। किसी अपने का आसपास रहना कई तरह के तनाव से बचाता है। अगर आप परिवार से दूर भी रह रहे हैं तो रोजाना उनसे बात करें और परिवार के किसी न किसी सदस्य से अपने मन की बात खुलकर साझा करें। खुद को समय देना बेहद जरूरी है। कोशिश करें कि वीकेंड पर काम का कोई दबाव न रहे, वर्क स्ट्रेस में वर्क कल्चर की बहुत बड़ी भूमिका होती है। अगर सही कल्चर ना हो तो पहले अपने सीनियर से बात करें, इसके बाद भी अगर कोई हल न दिखे तो कंपनी बदलने की दिशा में कोशिश शुरू कर दें। टॉक्सिक माहौल में बिताया गया हर मिनट आपको डिप्रेशन में डाल सकता है। इसके अलावा काम और समय को अच्छे से मैनेज करना भी स्ट्रेस से बचने का जरूरी पहलू है।

बार-बार तवे में टूट जाता है चावल के आटे का चीला, तो इन टिप्स से बनाएं परफेक्ट

चावल आटे का चीला छत्तीसगढ़ का पारंपरिक भोजन है। इसे लोग दो तरह से बनाते हैं, एक तवा में और दूसरा कड़ाही में डीप फ्राई करके। खाने में बेहद स्वादिष्ट और स्वास्थ्य के हेल्दी इसे नाश्ते के अलावा लंच और डिनर की तरह खाया जा सकता है। चावल के आटे को घोलकर भी चीला बनाया जाता है और चावल को पहले भिगोकर उसे पीसकर उस तैयार घोल से भी चीला बनाया जाता है। जो लोग ज्यादा ऑयली खाना पसंद नहीं करते हैं, उनके लिए तवा में बना चीला बेस्ट होता है, लेकिन तवा में चीला बनाना आसान नहीं है, क्योंकि साधारण तवा में चीला का घोल डालने से पलटते वक्त चीला टूट जाता है। ऐसे में चीला बार-बार टूटे न इसलिए हम यहां कुछ टिप्स लाए हैं। इन टिप्स की मदद से आप आसानी से चीला बना सकते हैं, वो भी बिना टूटे।

आटा से चीला बनाने के बजाए चावल को पहले भिगो लें फिर उसे मिक्सी (मिक्सी की सफाई कैसे करें) में पीसे और उस घोल से चीला बनाएं। भीगे हुए चावल से बनाया गया चीला तवा में टूटता नहीं है और स्वाद भी अच्छा लगता है।

यदि आप चावल नहीं भिगो पाए हैं और आपको आटा से ही चीला (चीला बनाने की विधि) बनाना पड़ रहा है तो आप आटा में ठंडा पानी के बजाए गुनगुना पानी डालें। इससे भी चीला के टूटने की संभावना कम होगी।

तवा में चीला का बैटर डालने से पहले तवा को अच्छे से गर्म करें फिर उसमें अच्छे से तेल लगाएं फिर घोल डालें। ठंडी तवा में घोल डालने से चीला अच्छे से नहीं सिकता और पलटते वक्त टूट जाते हैं।

तवा में अच्छे से तेल लगाएं, घोल डालने से पहले और चीला पलटने से पहले तेल की कुछ बूंदें डालकर ही चीला को पलटें। तेल डालने से चीला आसानी से पलट जाते हैं। तेल की कमी होने के कारण भी बैटर तवा में चिपक जाते हैं और उसे पलटना मुश्किल हो जाता है और तवा में चीला के चिपकने के कारण पलटते वक्त टूट जाता है। हो सके तो चीला बनाने के लिए नॉन स्टिक तवे (नॉन स्टिक तवे की सफाई) का इस्तेमाल करें इसमें चीला चिपकता नहीं और आसानी से पलट जाता है। चीला बनाते वक्त आंच तेज रखें ताकी तवा अच्छे से गर्म रहे और चीला का बैटर तवा में चिपके नहीं।

सपने में दिखाई देते हैं पूर्वज तो जानिए इसका मतलब

हाल ही में पितृपक्ष गुजरा है। हालांकि अपने पुरखों को हम कभी भी याद कर सकते हैं। माना जाता है कि हमारे पूर्वज पितृ लोक से धरती पर विचरण करते हैं और कई माध्यमों से हमें अच्छे और बुरे का संकेत भी देते हैं। इन्हीं में से एक संकेत है पितरों का हमारे सपने में आना। यदि आपको भी सपने में पूर्वज दिखाई दें, तो इसे अनदेखा न करें। स्वप्न शास्त्र के अनुसार इसका कोई न कोई मतलब जरूर होता है।

पूर्वजों को बहुत करीब देखना

यदि आप सपने में अपने किसी पूर्वज को स्वयं के बहुत करीब देखते या महसूस करते हैं, तो इसका मतलब यह होता है कि आपके पूर्वज अभी भी परिवार के मोह को नहीं छोड़ पाए हैं। इसके लिए के नाम से अमावस्या को धूप दिखानी चाहिए साथ ही पितृपक्ष में उनकी आत्मा की शांति के लिए अनुष्ठान करवाना चाहिए।

सपने में बार-बार पूर्वजों का दिखाई देना

यदि आपको बार-बार पितरों से जुड़े सपने आते हैं तो इसका मतलब उनकी कोई इच्छा अधूरी रह गई है। आपके सपने में आकर वे आपसे कुछ कहना चाहते हैं। ऐसे में आपको अपने पूर्वजों की आत्मा की शांति के लिए पाठ करवाना चाहिए। साथ ही उनके नाम से दान-पुण्य करना चाहिए।

प्रसन्न मुद्रा में पूर्वज का दिखाई देना

स्वप्न शास्त्र के अनुसार यदि आपके सपने में पूर्वज प्रसन्न मुद्रा में या आशीर्वाद देते हुए दिखाई देते हैं तो यह शुभ संकेत है। ऐसे सपने का मतलब आपके पूर्वज आपसे खुश हैं और उन्होंने आपके श्राद्ध को स्वीकार कर लिया है।

कार्नर न्यूज

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की दुनिया में महिलाओं के लिए अपार अवसर

कामयाबी की सीढ़ी चढ़ने हर महिला में होनी चाहिए काबिलियत, मंजिल मिलेगी आसानी से

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) दुनिया को आकार देने में मदद कर रहा है। ऐसे में एआई की दुनिया से रूबरू होना सबके लिए जरूरी है। महिलाओं को भी जनरेटिव एआई के इस एरा में ये एसेंशियल स्किल्स जरूर आने चाहिए। जनरेटिव एआई ने ऐसी तकनीकी क्रांति लाई है, जिसने हमारे नजरिये को कई तरह से आकार दिया है। इसके साथ ही, भारत में प्रोफेशनल पर्सपेक्टिव तेजी से विकसित हो रहा है। भारत में महिलाएं एआई के क्षेत्र में लीडर की भूमिका निभा सकती हैं। वे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस स्किल्स सीख सकती हैं और अपने काम को और भी बेहतर बना सकती हैं। अगर ज्यादा महिलाएं ये कौशल सीखेंगी, तो भारत में काम ज्यादा निष्पक्ष और दिलचस्प होगा। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एक शक्तिशाली टूल है जिसका उपयोग आप अपने करियर को ऊंचाइयों तक पहुंचाने में कर सकती हैं।

इस रोमांचक नए युग में सफल करियर बनाने का लक्ष्य रखने वाली महिलाओं को एसेंशियल स्किल्स आने बहुत ज्यादा जरूरी हैं। इस आर्टिकल में उन स्किल्स के बारे में जानें जो महिलाओं को जनरेटिव आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के युग में एक सफल करियर बनाने में मदद करेंगे।

प्रॉम्प्ट इंजीनियरिंग

जेनरेटिव आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस सिस्टम के लिए प्रभावी प्रॉम्प्ट तैयार करने की क्षमता एक मूल्यवान कौशल बनती जा रही है। आपको पता होना चाहिए कि बढ़िया परिणामों के लिए प्रॉम्प्ट का स्ट्रक्चर कैसा होना चाहिए। इशमें आपको कई एआई मॉडल और कार्यों के लिए प्रॉम्प्ट स्ट्रैटेजी का ज्ञान होना जरूरी है। एआई आउटपुट के आधार पर प्रॉम्प्ट को रिफाइन और पुनरावृत्त करने की क्षमता होनी चाहिए। कुशल प्रॉम्प्ट इंजीनियर जेनरेटिव एआई टूल की पूरी क्षमता को अनलॉक कर सकते हैं, जिससे वे कई भूमिकाओं को अच्छी तरह से निभा सकते हैं।

जनरेटिव एआई लिटरेसी

आज की पेशेवर दुनिया में जनरेटिव एआई के मूल सिद्धांतों को समझना महत्वपूर्ण है। इसमें मेन जनरेटिव एआई मॉडल से परिचित होना चाहिए। नेचुरल लैंग्वेज प्रोसेसिंग, इमेज प्रोडक्शन और प्रॉम्प्ट इंजीनियरिंग जैसी बुनियादी अवधारणाओं की समझ होनी चाहिए। कई उद्योगों में जनरेटिव AI अनुप्रयोगों के बारे में जागरूकता होनी चाहिए। जनरेटिव एआई लिटरेसी करियर के कई अवसरों बनाती है और लगभग हर क्षेत्र में उत्पादकता बढ़ाती है।

क्रिटिकल थिंकिंग और एआई आउटपुट इवेल्यूशन

जैसे-जैसे एआई ज्यादा कॉन्टेंट बनाता है, उसके आउटपुट का क्रिटिकल इवेल्यूशन और रिफाइन करने की क्षमता आवश्यक है। इसलिए आपको सटीकता और प्रासंगिकता के लिए एआई-जनरेटेड सामग्री का

विश्लेषण करने में कौशल आना चाहिए। एआई आउटपुट में पोटेंशल बायस या एरर की पहचान करने की क्षमता होनी चाहिए। एआई-जनरेटेड विचारों के साथ ह्यूमन इंसाइट को मिलाने की क्षमता होनी चाहिए। क्रिटिकल इवेल्यूशन यह सुनिश्चित करता है कि एआई टूल का प्रभावी और एथिकल तरीके से उपयोग किया जाए, जिससे बेहतर निर्णय लिए जा सकें।

फिल्म इवेंट

हॉलीवुड

चार्ली किर्क की हत्या पर बयान पड़ा महंगा, जिमी किमेल शो हुआ बंद

अमेरिकी मनोरंजन जगत से एक बड़ी खबर सामने आई है। मशहूर टॉक शो जिमी किमेल लाइव को अचानक ऑफ एयर कर दिया गया है। ये फैसला ए बी सी नेटवर्क ने तब लिया जब शो के होस्ट जिमी किमेल ने रिपब्लिकन नेता चार्ली किर्क के संदिग्ध हत्यारे को लेकर विवादित बयान दे दिया। इस कदम ने न केवल मीडिया इंडस्ट्री बल्कि अमेरिकी राजनीति में भी हलचल मचा दी है।

मामला तब शुरू हुआ जब जिमी किमेल ने अपने शो में चार्ली किर्क के संदिग्ध हत्यारे टायलर रॉबिन्सन पर टिप्पणी की। किमेल ने दावा किया कि रॉबिन्सन पहले ट्रंप समर्थक रिपब्लिकन रहा होगा और 'मैगा गिरोह' इस बात को छिपाने की कोशिश कर रहा है। उनकी इस टिप्पणी के तुरंत बाद दक्षिणपंथी समूहों ने उन्हें निशाने पर ले लिया। सोशल मीडिया पर उन्हें कठोर शब्दों में ट्रोल किया गया और यह मामला राजनीतिक रंग ले बैठा। फेडरल कम्युनिकेशन कमीशन (एफसीसी) के अध्यक्ष ब्रेंडन कार ने किमेल के बयान को गलत और घटिया आचरण बताया। उन्होंने संकेत दिया कि अगर एबीसी ने कार्रवाई नहीं की तो उनका प्रसारण लाइसेंस रद्द किया जा सकता है। वहीं, अमेरिका की सबसे बड़ी प्रसारण कंपनियों में शामिल नेक्सस्टार ने भी किमेल की टिप्पणियों पर कड़ी आपत्ति जताते हुए शो का प्रसारण रोकने का ऐलान कर दिया। नेक्सस्टार के अधिकारियों का कहना था कि ऐसी टिप्पणियों को मंच देना समाजहित में उचित नहीं है। किमेल का शो 2003 से लगातार चल रहा था और डिज्नी के स्वामित्व वाले एबीसी नेटवर्क का प्रमुख कार्यक्रम माना जाता था।

टॉलीवुड

लोका चैप्टर-1' की ओटीटी रिलीज पर सलमान ने दिया बड़ा अपडेट

कल्याणी प्रियदर्शन की अदाकारी वाली फिल्म 'लोका चैप्टर 1' सबसे ज्यादा कमाई करने वाली मलयालम फिल्म बन गई है। यह फिल्म 28 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। एक महीने के अंदर ही फिल्म ने दुनिया भर में बॉक्स ऑफिस पर 271 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर लिया है। अफवाहें थीं कि फिल्म जल्द ही ओटीटी पर आएगी। हालांकि फिल्म के निर्माता दुलकर सलमान ने इसके ओटीटी रिलीज की अफवाहों का खंडन किया है। दुलकर सलमान ने अपने एक्स अकाउंट पर अफवाहों का खंडन किया। उन्होंने साफ किया कि 'लोका' जल्द ही ओटीटी पर रिलीज नहीं होगी। उन्होंने लिखा, 'लोका जल्द ही ओटीटी पर नहीं आ रही है। फर्जी खबरों पर ध्यान न दें और आधिकारिक घोषणाओं के लिए तैयार रहें! जल्दबाजी क्या है।' उनके प्रोडक्शन हाउस, वेफरर फिल्म्स ने भी इसे री पोस्ट किया। प्रशंसक यह खबर सुनकर बहुत खुश हुए और उन्होंने पोस्ट पर कमेंट किया है। एक यूजर ने लिखा 'जब कोई फिल्म सिनेमाघरों में अच्छा प्रदर्शन कर रही हो, तो उसको ओटीटी पर रिलीज नहीं करना चाहिए।' एक दूसरे यूजर ने लिखा 'सर, हर फिल्म के लिए 12 हफ्तों की ओटीटी डील जरूरी कर दीजिए। आपकी इंडस्ट्री कम से कम एक दशक तक बचत करेगी।' दुलकर और प्रोडक्शन हाउस ने अभी तक यह नहीं बताया है कि 'लोका' आखिरकार किस ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज होगी। डोमिनिक अरुण के निर्देशन में बनी फिल्म 'लोका चैप्टर 1' सुपरहीरो वाली फिल्म है। कल्याणी प्रियदर्शन ने फिल्म में चंद्रा की भूमिका निभाई है जिसके पास शक्तियां हैं। इसके अगले भाग में टोविनो थॉमस मुख्य भूमिका में होंगे। वह चथन नामक एक भूत का किरदार निभा रहे हैं। दुलकर सलमान को भी फिल्म में चार्ली नामक एक आकार बदलने वाले व्यक्ति की भूमिका निभाते हुए देखा जा सकता है।

छॉलीवुड

'बिलासा दाई' जसगीत में झूमते नजर आए कौशिक, सराहा पारकर का प्रयास

दुर्गा प्रसाद पारकर एंटरटेनमेंट की प्रस्तुति छत्तीसगढ़ी भक्तिमय जसगीत 'बिलासा दाई' एलबम भजन माता रानी जी के चरणों में समर्पित है। इस गीत में पूर्व विधानसभा अध्यक्ष और बिल्हा से विधायक धरमलाल कौशिक भी जसगीत पर झूमते नजर आते हैं। वहीं गीतकार और इस एलबम के प्रस्तुतकर्ता दुर्गा प्रसाद पारकर के साथ कई प्रमुख लोग माता की भक्ति में डूबे नजर आ रहे हैं। इस एलबम को व्यापक सराहना मिल रही है। इस एलबम के निर्माता केतन पारकर निर्देशक एवं संगीतकार उत्तम तिवारी, गायक दुकालू यादव, कोरियोग्राफर बिलास राउत वीडियोग्राफर एडिटर सुनील वर्मा, प्रमोटर नवीन मालाकार, वीडियो रिकार्डिंग कार्तिक साहू स्वरांजलि स्टुडियो रायपुर,पोस्टर डिज़ाईन मंडल ग्राफिक्स, पोस्ट प्रोडक्शन - नेकोन फिल्म्स दुर्ग, प्रेरणास्त्रोत - विजय बघेल सांसद दुर्ग लोक सभा, कलाकार कुलेश्वर प्रसाद निषाद, भरत राणा, डॉ.गणेश कौशिक, कोमल निषाद, द्रुपत मुन्ना निषाद,गैमलियल ग्राहम, आभार- विष्णु विराट कैवर्त, समारू राम कैवर्त, दीपक केवट,सुखऊ राम प्रजापति,जयसिंह यादव एवं समस्त ग्रामवासी जोंधरा,जिला बिलासपुर, वाद्ययंत्र एवं वादक, रिदम गुड्डु,कमल पटेल, हेमलाल यादव, आक्टोपेड अजीत सिन्हा, बांसुरी-शहनाई - भोला यादव, की बोर्ड अरेंजर राजेश साहू, रिकार्डिस्ट कार्तिक साहू, मिक्सिंग मास्टरिंग कार्तिक साहू का योगदान है।

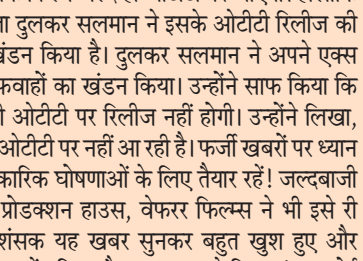

बोरिंग जिम और एक्टिववियर के दिन अब लद गए हैं। आमतौर पर लोग इन कपड़ों को कई तरह के आयोजनों और गतिविधियों में पहनते हैं, इसलिए युवा ऐसे कपड़ों की तलाश में हैं जो उनकी व्यक्तिगत शैली को उजागर करें। चटख रंग और बोल्ड डिटेलिंग बेहद आम होते जा रहे हैं। 2025 में खुले ज़िपर, कटआउट और कलर-ब्लॉक कंपोनेंट्स वाले वर्कआउट पीस ट्रेंड में है।

चाहिए निखरती त्वचा तो ऐसे करें आइस वाटर फेशियल

कई बार जब हम बॉलीवुड की अभिनेत्रियों को देखते हैं तो उनकी दमकती त्वचा को देखकर सोचते हैं कि काश ऐसी ग्लोइंग स्किन हमारी भी होती। बहुत सी अभिनेत्रियां ऐसी हैं, जो रील लाइफ में तो खूबसूरत दिखती ही हैं, इसके साथ ही वो असल जिंदगी में भी कमाल की लगती हैं। उनकी निखरती त्वचा लोगों को उनका दीवाना बनाती है। इन्हीं अभिनेत्रियों में आलिया भट्ट का नाम शामिल है। आलिया भट्ट अपने क्यूट फेस के साथ-साथ अपनी ग्लोइंग त्वचा की वजह से काफी फेमस हैं। उन्होंने कई इंटरव्यू में बताया है कि वो महंगे ब्यूटी प्रोडक्ट इस्तेमाल करने की बजाए घरेलू नुस्खे इस्तेमाल करना ज्यादा पसंद करती है। हाल ही में उन्होंने एक वीडियो साझा किया था, जिसमें वो आइस फेशियल करती दिखाई दे रही हैं। इस दौरान उन्होंने आइस फेशियल को घर पर करने का सही तरीका बताया है। अगर आपको भी आलिया भट्ट के जैसी त्वचा चाहिए तो आप घर पर आइस वाटर फेशियल कर सकती हैं।

सबसे पहले जानें क्या है आइस फेशियल

घर पर आइस फेशियल करना बेहद आसान है। इसके लिए आपको बर्फीले पानी में अपना चेहरा 5 सेकेंड के लिए डुबो कर रखना है। इसमें समय की पाबंदी नहीं है। आप अपनी क्षमता के हिसाब से भी चेहरे को पानी में डुबो सकती हैं। चेहरे को पानी में डुबोते वक्त ये भी ध्यान रखें कि अगर आप ज्यादा देर तक चेहरा डुबाकर रखेंगे तो इससे स्किन पर जलन पड़ सकती है।

कब कर सकते हैं आइस फेशियल

अगर आप हैवी मेकअप करने का सोच रही हैं तो उससे पहले ये फेशियल ज्यादा असरदार रहता है। इसे करने के त्वचा के पोर्स छोटे हो जाते हैं, जिस वजह से मेकअप ज्यादा समय तक टिकता है। अगर आप आइस फेशियल लेने का सोच रही हैं तो पहले चेहरे को अच्छे से साफ जरूर कर लें। अगर आपकी त्वचा काफी ड्राई है तो आइस फेशियल से आपकी परेशानी बढ़ सकती है। ऐसे में ड्राई स्किन वाले इससे दूर रहें।

शॉर्ट कुर्ती को स्टाइलिश बनाएंगे ये स्लीव्स डिजाइंस, यहां देखें ट्रेंडी लुक

स्लीव्स कुर्ती को स्टाइलिश बनाने का काम करती है। इसलिए इसके डिजाइन पर भी बहुत ध्यान देने की जरूरत होती है। अगर आप भी नए डिजाइंस की तलाश में हैं, तो यह लेख मददगार साबित हो सकता है। जब भी कंफर्टेबल कपड़े की बात होती है, तो कुर्ती को जरूर शामिल किया जाता है। यह एक ऐसा आउटफिट है जिसे हर मौसम में आसानी से वियर किया जाता है। इसलिए हमारे वार्डरोब में कुर्तियों की भरमार होती है, लेकिन इसके बाद भी हमारे नए कपड़े बनाने की ख्वाहिश कम नहीं होती। इसलिए हमेशा कुर्ती के नए-नए डिजाइन तलाशते रहते हैं। कई लोग ऐसे भी हैं जो फैब्रिक से कुर्ती डिजाइन करवाते हैं। हालांकि, कुर्ती के डिजाइन सेलेक्ट करना आसान है, लेकिन स्लीव्स के डिजाइन कुछ खास समझ में नहीं आते। इसलिए हम आपके लिए कुछ ऐसे स्लीव्स के डिजाइन लेकर आए हैं, जिनकी मदद से कुर्ती को स्टाइलिश बनाया जा सकता है।

फुल स्लीव्स

यह डिजाइन में सबसे क्लासिक स्टाइल में से एक है। यह आस्तीन कंधे से शुरू होकर कलाई तक पूरी तरह ढकी होती है। इससे कुर्ती को बहुत ही सुंदर लुक मिलता है। फुल स्लीव्स की शॉर्ट कुर्तियां हर मौसम में वियर की जा सकती हैं। अगर आप के लिए ऑफिस वियर ऑप्शन तलाश रहे हैं, तो यह डिजाइन सेलेक्ट किया जा सकता है। इस डिजाइन की खासियत यह है कि यह न केवल पारंपरिक अवसरों के लिए, बल्कि ऑफिस वियर, कैजुअल वियर और पार्टी वियर के रूप में भी पहनी जा सकती है। फुल स्लीव्स को अलग-अलग फैब्रिक जैसे- सिल्क, कॉटन, जॉर्जेट और शिफॉन के साथ भी बनाया जा सकता है।

थ्री-क्वार्टर स्लीव्स

थ्री-क्वार्टर स्लीव्स एक ऐसी आस्तीन होती है, जो कंधे से शुरू होकर कोहनी से थोड़ी नीचे तक आती है।

ऑयली स्किन के लिए हरी मूंग दाल का करें इस्तेमाल

जब बात स्किन केयर की होती है तो ऐसे में हर कोई बेस्ट ही चाहता है। इसके लिए हम मार्केट में मिलने वाले तरह-तरह के ब्यूटी प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करते हैं। लेकिन स्किन की केयर करने का सबसे अच्छा तरीका होता है कि हम नेचुरल चीजों का इस्तेमाल करें। इन्हीं में से एक है हरी मूंग दाल। हरी मूंग दाल एक एक्सफोलिएंट के रूप में काम करती हैं, जिसके कारण आपकी स्किन गहराई से क्लीन होती है। इतना ही नहीं, इसमें कई तरह के पोषक तत्व होते हैं, जो आपकी स्किन का ख्याल रखते हैं। हरी मूंग दाल आपके स्किन पोर्स को क्लॉग होने से रोकता है। साथ ही, इसमें नेचुरल ब्लीचिंग गुण आपकी स्किन को ग्लोइंग बनाते हैं। अगर आपकी स्किन ऑयली है तो ऐसे में आप हरी मूंग दाल को कई अलग-अलग तरीकों से इस्तेमाल कर सकते हैं।

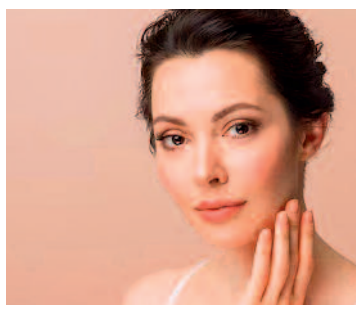

मूंग दाल और टमाटर के रस का इस्तेमाल

अगर आपकी स्किन ऑयली है तो ऐसे में आप मूंग दाल के साथ टमाटर के रस को मिक्स करके अप्लाई कर सकती हैं। मास्क बनाने के लिए आप सबसे पहले हरी मूंग दाल को लगभग 2-3 घंटे के लिए पानी में भिगोकर रखें। अब अतिरिक्त पानी निकालकर इसे पीसकर पेस्ट बना लें। अब इसमें टमाटर का रस और दही डालकर मिक्स करें। दही में लैक्टिक एसिड होता है, जो स्किन को एक्सफोलिएट (जंवा त्वचा के लिए फेस पैक) करने के साथ-साथ उसे ग्लोइंग भी बनाता है। इन्हें अच्छी तरह मिक्स करने के बाद अपने चेहरे को क्लीन करें। तैयार पेस्ट को चेहरे पर लगाएं और करीबन 15 मिनट के लिए ऐसे ही छोड़ दें। अंत में, पानी की मदद से चेहरा साफ करें और फिर स्किन को मॉइश्चराइज करें।

इंस्टेंट ग्लो के लिए अपनाएं नेचुरल तरीके

चेहरे की खूबसूरती हर महिला के लिए उतनी ही अहम होती है जितना आने वाला दिवाली का त्योहार। इस दिन हर को सबसे अलग और खूबसूरत दिखना पसंद करती है। कई सारी महिलाएं तो ऐसी होती हैं तो इस दिन के लिए महीने भर पहले से ही स्किन केयर रूटीन फॉलो करना शुरू कर देते हैं। अगर आपको भी चाहिए नेचुरल ग्लो तो इसके लिए आप इन घरेलू तरीकों को ट्राई कर सकती हैं।

बेसन और रोज वाटर का करें इस्तेमाल

कई सारे ऐसे घरेलू नुस्खे होते हैं जिनका इस्तेमाल हम नेचुरल ग्लो के लिए करते हैं। इनमें से आप बेसन और रोज वाटर को चेहरे पर अप्लाई कर सकती हैं। ऐसी इसलिए क्योंकि बेसन में एक्सफोलिएटिंग एजेंट मौजूद होते हैं जो डेड स्किन को हटाते हैं। इसके अलावा स्किन को इवन करता है। वहीं रोज वाटर स्किन को हाइड्रेट करता है।

बेसन और रोज वाटर का पैक बनाने का तरीका

इसके लिए सबसे पहले एक कटोरी में 2 चम्मच बेसन लें। अब इसमें 1 चम्मत रोज वाटर एड करें। फिर इन दोनों चीजों को अच्छे से मिक्स करें। इसके बाद इस पेस्ट को अपने चेहरे पर अप्लाई करें। फिर 15-20 मिनट के लिए ड्राई (स्किन मॉइश्चराइजर) होने के लिए छोड़ दें। अब चेहरे को पानी से साफ कर लें। इससे आपकी स्किन नेचुरल ग्लो करने लगेगी। इसका इस्तेमाल आप हफ्ते में एक बार कर सकती हैं।

खीरे के फेस मास्क का करें इस्तेमाल

खीरा स्किन के लिए बेहद लाभकारी होता है। इसके इस्तेमाल से स्किन हाइड्रेट रहती है और नेचुरल ग्लो करती है। आप भी इसका इस्तेमाल कर सकती हैं। इसमें मिनरल्स और विटामिन्स पाए जाते हैं जो स्किन को हेल्दी रखते हैं।

कार्नर न्यूज

कीमतों में फर्क होने की वजह से महिलाएं अपना रही हर तरह की ज्वेलरी

सोना-चांदी नहीं, महिलाओं को पसंद आ रही आर्टिफिशियल ज्वेलरी

खूबसूरती को बढ़ाने के लिए मेकअप ही नहीं, बल्कि गहने भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, इसलिए किसी विशेष अवसर पर कुछ खास दिखने के लिए नए ट्रेंड्स को जानना जरूरी होता है। आजकल फ्यूजन लुक चलन में है। शादी का सीजन हो या फिर त्योहार का, गहनों के बिना महिलाओं का श्रृंगार अधूरा होता है। महिलाओं को फैशनेबल कपड़े के साथ ट्रेंडिंग ज्वेलरी पहनना बहुत पसंद होता है, लेकिन सोने की लगातार बढ़ती कीमतों के कारण महिलाओं के बीच आर्टिफिशियल ज्वेलरी इन दिनों काफी ट्रेंड कर रही हैं। शादियों और त्योहारों का सीजन आने वाला है। अगर आप भी नए और लेटेस्ट ट्रेंड के साथ अपने लुक को और भी ज्यादा बेहतर बनाना चाहती हैं तो आपको अलग-अलग तरह की एक्सेसरीज को अपने लुक के साथ मैच करना होगा। आइए जानते हैं ज्वेलरी के लेटेस्ट ट्रेंड्स।

विंटेज ज्वेलरी

ज्वेलरी का चलन लगातार विकसित हो रहा है लेकिन कुछ ऐसी ज्वेलरी भी हैं, जो हमेशा पसंद की जाती हैं। इनमें से एक है विंटेज ज्वेलरी। इसे क्लासिक्स ज्वेलरी या ट्रेडिशनल ज्वेलरी भी कहा जाता है। विंटेज ज्वेलरी के प्रति लगाव, सोने के प्रति प्रेम और रत्नजड़ित पत्थरों की लोकप्रियता साल-दर- साल बढ़ती ही जा रही है, ये गहने काफी रिच और रॉयल लुक देते हैं। विंटेज ज्वेलरी कभी भी चलन से बाहर नहीं होती है। आप अपनी मां और दादी के गहनों को भी एकदम नया लुक दे सकती हैं।

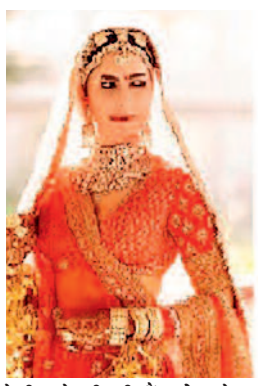

इवैल आई ज्वेलरी

आपने एक कहावत सुनी होगी कि किसी की नजर न लगे। प्राचीन समय से हमारे समाज में बुरी नजर से बचाने के लिए इस ज्वेलरी का उपयोग होता आ रहा है। कुदृष्टि नाम से मशहूर आंख के आकार में बने ये चार संकेंद्रित वृत्त बुरी नजर से बचने के लिए पहना जाता है। आजकल इसका चलन भी काफी देखने को मिल रहा है और आप भी इसे अब ब्रेसलेट, ईयररिंग, मंगलसूत्र को स्टाइल करके पहन सकती हैं।

पर्ल ज्वेलरी

पर्ल ज्वेलरी का फैशन भी हजारों सालों से चला आ रहा है। यह आपको रॉयल लुक देती है। आपको बाजार में पर्ल ज्वेलरी की ढेरों ट्रेंडी डिजाइन्स देखने को मिल जाएंगी। आप ट्रेडिशनल रानी हार, जोधा हार, चोकर हार को त्योहारों में लहंगे, साड़ी और हैवी सूट के साथ पहनकर अपना लुक कंप्लीट कर सकती हैं। पर्ल ज्वेलरी की सबसे बड़ी खासियत यह होती है कि इसे आप ट्रेडिशनल और वेस्टर्न दोनों तरह की ड्रेस के साथ कैरी कर सकती हैं।

चांद बालियां ईयररिंग

अगर आप हैवी ज्वेलरी नहीं पहनना चाहती हैं तो आप चांद बालियां पहन सकती हैं। चांद बालियों का फैशन काफी समय से चला आ रहा है और बीते कुछ वर्षों में इसमें बहुत सारे नए प्रयोग और ट्रेंड्स देखने को मिले थे। इस साल भी चांद बालियों की लेटेस्ट डिजाइंस काफी ट्रेंड में रहेंगी। इस बार चांद बालियों में और भी ज्यादा डिजाइनर लुक देखने को मिलेंगे। आप पर्ल, कुंदन और जरकन के काम वाली चांद बालियों को पहन सकती हैं।

डायमंड ज्वेलरी

डायमंड ज्वेलरी पहन कर आप रिच लुक पा सकती हैं। डायमंड ज्वेलरी साड़ी और लहंगे और हैवी सूट सेट के साथ काफी अच्छे लगते हैं। आजकल डायमंड ज्वेलरी में रोजगोल्ड कलर और पिंक कलर काफी ट्रेंड कर रहे हैं। आप डायमंड नेकलेस सेट के साथ कॉकटेल रिंग पहनकर ट्रेंडी लुक पा सकती हैं।